सफलता की सिढी

कक्षा:- १०वी कक्षा विशय:- हिंदी

रचनाकार- श्री अर्जुन के राठोड

हिंदी भाषा सह शिक्षक

सरकारी पौढशाला मूकिहाल

तालुक:-मुद्देबिहाल जिल्ला:-विजयपूर

Mobile no :- 9538781452

पाठ १- मातृभूमी

*शब्दार्थ * १)शत-शत-सौ-सौ-नूरುसल २)अमर-मृत्युहीन-ಅಮರ,ಕೊನೆಇಲ್ಲದ ३)उर-हृदय-ಹೃದಯ ४)शायित-सोना,नींदकरना-ಮಲಗು ५)सुहाने-सुंदर-ಸುಂದರ ६)युत-भरा-ತುಂಬಿದ ७)वन-जंगल-ಕಾಡು,ಅರಣ್ಯ ८)उपवन-उध्यानवन-ಉದ್ಯಾನವನ ९)व्यापक-विशाल-ವ್ಯಾಪಕ,ವಿಸ್ತೃತ १०)धन-संपत्ती,पैसा-ಹಣ ११)पताका-ध्वज,झेंडा-ಧ್ವಜ १२)गूंज-प्रतिध्वनित होना-ಪ್ರತಿಧ್ವನಿಸು १३)नाद-आवाज-ಧ್ವನಿ १४)सकल-सभी-ಎಲ್ಲ १५)धाम-घर-ಮನೆ *एक अंक के प्रश्

एक अंक के प्रश्न

१)कवि भगवतीचरण वर्मा जी किसे प्रणाम कर रहे है?

उत्तर:-कवि भगवतीचरण वर्मा जी भारतमाता(मतृभूमी) को प्रणाम कर रहे है।

२)भारत मां के हाथों में क्या है?

उत्तर:-भारत मां के एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है।

३)आज मां के साथ कौन है?

उत्तर:-आज मां के साथ कोटी-कोटी भारतिय है।

४)सभी ओर क्या गूंज उठा है?

उत्तर:-सभी ओर जय हिंद का नाद गूंज उठा है।

५)भारत के खेत कैसे है?

उत्तर:-भारत के खेत हरे-भरे और सुंदर है।

६)भारत भूमी के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है?

उत्तर:-भारत भूमी के अंदर खनिज संपत्ती और धन भरा हुआ है।

७)सुख-संपत्ती धन-धाम को मां कैसे बांट रही है?

उत्तर:-सुख-संपत्ती धन-धाम को मां मुक्त हाथों से बांट रही है।

८)जग के रुप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते है?

उत्तर:-जग के रुप को बदलने के लिए कवि मातृभूमी से निवेदन करते है।

९)'जय हिंद' का नाद कहां-कहां पर गूंजना चाहिए?

उत्तर:-'जय हिंद का नाद सकल नगर और ग्राम में गूंजना चाहिए।

१०)भारत मां किसकी जननी है?

उत्तर:-भारत मां अमरों की जननी है।

११)भारत मां के उर में कौन-कौन शायित है?

उत्तर:-भारत मां के उर में गांधि,बुद्द और राम शाउइत है।

१२)भारत मां मुक्त हाथों से क्या बांट रही है?

उत्तर:-भारत मां मुक्त हाथों से सुख-संपत्ती धन-धाम बांट रही है। १)भारत मां के

तीन अंक के प्रश्न

१)भारत मां के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए?

उत्तर:-*भारत मां खेत हरे-भरे,और सुंदर है। *भारत मां के वन-उपवन फल-फुलों से भारे है। *भारत भूमी के अंदर अपार खनिज संपदा है। *भारत मां सुख-संपत्ती, धन-धाम को मुक्त हाथों से बांटरही है।

२)मातृभूमी का स्वरुप कैसे सुशोभित हुआ है? अथवा कविता में भारत माता का स्वरुप कैसे वर्णित हुआ है?

उत्तर:-*भारत मां के एक हाथ में न्याय पताका और दुसरे हाथ में ज्ञान दीप है। *भारत मां चाहे तो जग का रुप बदल सकति है। *भारत मां के साथ कोटी-कोटी बारतिय है। *गूंज उठे जय हिंद नाद से सकल नगर और ग्राम है। भारत मां अमरो की जननी है

३)"मातृभूमी" कविता से आपको क्या सीख मिलती है?

उत्तर:-*इस कविता से हम देश-प्रेम को सीख सकते है। *भारत के अंदर रहनेवाले अपार खनिज संपदा और वन संपदा का परिचय पा सकते है। *भारत के महान व्यक्तियों का स्मरण करते है। *इस कविता से भारत की महानता का परिचय मिलता है। *अनुरुपता*

अनुरुपता

१)सुरैश्याम:बाल-लीला::मातृभूमी:...।

:-देशप्रेम/देशभक्ति

२)अभिनव मनुष्य:दिनकर::मातृभूमी:....।

:-भगवतीचरण वर्मा

३)वसियत:नाटक::चित्रलेखा:....।

:-उपन्यास

४)शत-शत:व्दिरुक्ति::हरे-भरे:....।

:-युग्म शब्द

५)बायें हाथ में:न्याय पताका::दाहीने हाथ में:.....।

:-ज्ञानदीप

६)हस्थ:हाथ::पताका:....।

:-ध्वज/झंडा *जोडकर

जोडकर लिखिए

क	ख
१)मातृभूमी	अ)भगवतीवरण वर्मा/देशप्रेम
२)तेरे उर में शयित	आ)गांधि,बुद्द, राम
३)फल-फुलों से युत	इ)वन-उपवन
४)एक हाथ में	ई)न्याय पताका
५)कोटी-कोटी हम	उ)आज साथ में
६)मातृभू	ऊ)शत-शत बार प्रणाम

पाठ २- कश्मीरी सेब

शब्दार्थ

१)चौक-चौराह-ಕ್ರಾಸ್/ಚೌಕ २)मेवाफरोष-फल बेचनेवाला-ಹಣ್ಣು ಮಾರುವವ ३)नजरआना-दिखाईदेना- ಕಂಡವು/ಕಾಣು ४)सजे-सजावट-ಸೃಂಗರಿಸು ५)जी ललचा उठा-आशा उत्पन्न-ಆಶೆಯಾಗ ६)भोजन-खाना,आहार-ಊಟದ ७)हलवा-मिठा पदार्थ-ಹುಗ್ಗಿ ८)निमकौडी-निम का फल-ಬೆವಿನ ಬಿಜ ९)तबियत-आरोग्य-ಆರೊಗ್ಯ १०)स्वर-रुचि-ರಿಚಿ ११)रुमाल-कर वस्त्र-ಕರವಸ್ತ್ರ १२)तराजू-तौलने का साधन-ತಕ್ಕಡಿ १३)लौंडा-लडका-ಹುಡುಗ १४)लिफाफा-पाकेट- ಲಕೊಟೆ १५)कायदा-नियम-ನಿಯಮ,ಪದ್ದತಿ १६)प्राथ:काल-सुबहा-ಮುಂಜಾನೆ,ಬೆಳಿಗ್ಗೆ १७)सडा-खराब-ಕೊಳೆತ १८)छिलका-फल का उपरिय भाग-ಸಿಪ್ಪೆ १९)गलना-किसि वस्तु का धनसत्व कम होना-ಕೆಡಕು,ಕೆಟ್ಟಿತು २०)पिचक-दबजाना-ನೆಗ್ಗಿತು २१)बेदाग-साफ-ಸ್ವಚ್ಚ २२)सुराख-छेद-ರಂದ್ರ २३)बेर-एक फल का नाम-ಬಾರಿಹಣ್ಣು २४)धब्बा-दाग-ಕಲೆ २५)गम-दू:ख-ದು:ಖ २६)धोखेबाजी-जालसाजी-ಮೊಸಮಾಡು २७)सहयोग-सहकार-ಸಹಕಾರ

२८)भांप लेना-पहचानना-ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳು २९)चौकस-सावधान,सचेत-ಚಾಣಾಕ್ಷ,ಚತುರ

३०)बेइमान-अप्रामाणिक- ಅಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ३१)कचहरी-दफ्तर,कार्यालय-ಕಾರ್ಯಾಲಯ,ಕಛೇರಿ

३२)साख-लेन-देन-ವ್ಯಾಪಾರ ३३)रेवडी-मिठाई-ಸಿಹಿತಿನಿಸು

एक अंक के प्रश्न

१)लेखक चिजें खरिदने कहां हये थे?

उत्तर:-लेखक चिजें खरिदने बाजर(चौक) गये थे।

२)लेखक को क्या नजर आया?

उत्तर:-लेखक को गुलाबी रंगदार सेब नजर आया।

३)लेखक का जी क्यों ललचा उठा?

उत्तर:-लेखक का जी गुलाबी रंगदार सेब देखकर ललचा उठा।

४)टोमाटो किसका अवश्यक अंग बन गया है?

उत्तर:-टोमाटो भोजन(खाने) का अवश्यक अंग बन गया है।

५)स्वाद में सेब किससे बडकर नहीं है?

उत्तर:-स्वाद में सेब आम से बड कर नहीं है।

६)रोज एक सेब खाने से किनकी जरुरत नहीं होगी?

उत्तर:-रोज एक सेब खाने से डाक्टर की जरुरत नहीं होगी।

७)आजकल शिक्षित समाज किसके बारे में विचार करने लगे है?

उत्तर:-आज कल शिक्षित समाज विटामिन और प्रोटिन के बरे में विचार कर ने लगे है।

८)पहले गरिबों के पेट भरने की चिज क्या थी?

उत्तर:-पहले गरिबों के पेट भरने की चिज गाजर थी।

९)अमीर लोग गाजर का क्या बनाकर काते थे?

उत्तर:-अमीर लोग गाजर का हलवा बना कर खाते थे।

१०)आजकल किसको भोजन के समय मेजों पर स्थान मिलगया है?

उत्तर:-आजकल गाजर को भोजन के समय मेजों पर स्थान मिल ग्या है।

११)लेखक कितने आने देकर सेब लये?

उत्तर:-लेखक चार(४)आने देकर सेब लाये।

१२)कायदे के अनुसार फल खाने का समय कौनसा है?

उत्तर:-कायदे के अनुसार फल खाने का समय प्राथ:काल(सुबह)है।

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)कश्मीरी सेब पाठ से आपको क्या सिख मिलति है?

अथवा प्रेमचंद जी ने खरिदारी के बारे में क्या चेतावनी दि है?

उत्तर:-*बाजर में खरिदारी करते समय सावधानी से रहना चाहिए। *नहीं तो

दोखा खाने की संभावना रहती है।

२)दुकानदार ने लेखक से क्या कहा?

उत्तर:-*दुकानदार ने कहा-"बाबुजी बडे मजेदार सेब आये है। *खास कश्मीर के है।

* आप लेजाएं, खाकर तबियत खुश हो जायेगी।"

३)सेब की हालत के बारे में लिखिए?

उत्तर:-*पहला सेब सडा हुआ था। *दुसरा सेब आधा सडा हुआ था। *तीसरा सेब एक

तरफ से पिचक गया था। *चौथे सेब में एक सुराख था। और धब्बा पड गया था।

*एक सेब भी खाने लायक नहीं था।

अनुरुपता

१)मेरा बचपन:आत्मकथा::कश्मीरी सेब:....।

:-कहानी

२)बसंत की सच्छाई:विष्णु प्रभाकर::कश्मीरी सेब:....।

:-प्रेमचंद

३)तुलसीदास:रामबोला::प्रेमचंद:....।

:-धनपतराय

४)साहित्यसागर:सुरदास::मानस सरोवर:.....।

:-प्रेमचंद

५)सेब:फल::गाजर:....।

:-सब्जी

६)केला:पीला रंग::सेब:....।

:-गुलाबी रंग

७)कपडा:नापना::टोमाटो:....।

:-तोलना

जोडकर लिखिए

क	ख
१)फल खाने का समय तो	अ)प्राथ:काल है।
२)सेब को रुमाल में बांदकर	आ)मुझे दे दिया।
३)एक सेब भी खाने	इ)लायक नहीं।
४)व्यापारियों की साख	ई)बनी हुई थी।

*विलोम

१)शाम-सुबह २)खरिदना-बेचना ३)बहुत-कम/थोडा ४)अच्छा-बुरा ५)गरीब-अमीर ६)रात-दिन

७)गम-खुशी ८)पास-दूर ९)हानी-लाभ १०)साफ-गंदा ११)ईमान-बेइमान १२)शिक्षित-अशिक्षित

१३)विश्वास-अविश्वास १४)सहयोग-असहयोग १५)आवश्यक-अनावश्यक १६)संदेह-निसंदेह

अन्य वचन रुप

१)चीज-चीजें २)रास्ता-रास्ते ३)दूकान-दूकाने ४)आंख-आंखें ५)रुपए-रुपएं ६)फल-फल ७)घर-घर

८)कर्मचारी-कर्मचारी गण ९)व्यापारी-व्यापारी गण १०)रेवडी-रेवशियां

* कन्नड में अनुवाद कीजिए*

१)एक सेब भी खाने लायक नहीं था।

:-ಒಂದು ಸೆಬು ಕೂಡಾ ತಿನ್ನಲೂ ಯೊಗ್ಯವಿರಲಿಲ್ಲ.

२)दुकानदार ने मुझसे क्षमा मांगी।

:-ಅಂಗಡಿಯವ ನನ್ನಲ್ಲಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೆಳಿದ.

३)गाजर भी पहले गरिबों के पेट भरने की चीज थी।

:-ಗಜ್ಜರಿಯೂ ಕೂಡಾ ಮೊದಲಿಗೆ ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತು ಆಗಿತ್ತು.

४)दुकानदार ने कहा बडे मजेदार सेब आये है।

:-ಬಹಳ ಒಳ್ಳೆಯ ಸೆಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ ಎಂದು ಅಂಗಡಿಯವ ಹೆಳಿದನು.

पाठ ३ गिल्लू

शब्दार्थ

१)अचानक-सहसा,एकदम-ಅಚಾನಕ ೨)बरामदा-आंगन-ಅಂಗಳ

३)गमला-पेड लगानेका बर्तन-ಪೊದೆ,ಹೊವಿನ ४)काकभुशुण्डि-कौआ-ಕಾಗೆ

५)समादरित-सम्मानित-ಸಮ್ಮಾನಿತ ६)अनादरित-अवमानित-ಅಪಮಾನಿತ

७)पूरखे-पूर्वज-ಪೂರ್ವಜರು ८)गरुड-एक पक्षी-ಗರುಡ ಪಕ್ಷಿ ९)मयूर-मोर-ನವಿಲು

१०)पितरपक्ष-परलोक-ಪರಲೋಕ ११)अवतीर्ण-अवतार,रूप-ಅವತಾರ,ರೂಪ

१२)बाधा-रुकावट-ತಡೆ १३)निकट-पास,समीप-ಹತ್ತಿರ १४)घोसला-पक्षीयोंकाघर-ಗೂಡು

१५)सुलभ-आसान,सरल-ಸರಳ १६)घाव-जख्म-ಗಾಯ १७)लघूप्राण-छोटा जीव-ಸಣ್ಣ ಜೀವ

१८)निश्चेष्ट-बिना हिले डुले-ಚೇಷ್ಟೆ ಮಾಡದೆ २९)रुई-काटन-ಹತ್ತಿ,ಉಣ್ಣೆ

२०)उपचार-चिकित्सा-ಚಿಕಿತ್ಸೆ २१)आश्वस्त-दृढ करना-ಮನವರಿಕೆಮಾಡು २२)कांच-शिशा-ಗಾಜು(ಗ್ಲಾಸು)

२३)स्निग्धरोंयें-रोम,गेह-ನರನಾಡಿಗಳು,ದೆಹ २४)झब्बेदार-ಗುಚದಂತಹ २५)पूंच-ಬಾಲ

२६)विस्मित-चकित-ಆಶ್ಚರ್ಯ २७)डलिया-छोटि टोकरि-ಕುಂಡಲ २८)तार-लोहे की रस्सि-ತಂತಿ,ಹಗ್ಗ

२९)लिफाफा-पाकेट-ಲಕೊಟೆ,ಪಾಕಿಟ ३०)गात-देह,शरिर-ಶರಿರ,ದೆಹ ३१)भितर-अंदर-ಒಳಗೆ ३२)झुंड-टोलि-ಗುಂಪು

३३)डाल-पेड का एक हिस्सा-ಟೊಂಗೆ ३४)झुला-ತೊಟ್ಟಿಲು,ಜೊಕಾಲಿ ३५)चुन्नट-सिलवट-ನೀರಿಗೆ,ಸೆರಗು

३६)सोनजुही-ಮಲ್ಲಿಗೆ ३७)अपवाद-विरोद-ಅಪವಾದ,ವಿರುದ್ದ ३८)तकिया-सिरहाना-ತಲೆದಿಂಬು

३९)सुराही-घडा-ಮಡಿಕೆ,ಹೂಜಿ ४०)हीटर-ಉಷ್ಣತಾವಾಹಕ

एक अंक के प्रश्न

१)गिलहरी का बच्चा कहां पडा था ?

उत्तर:गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार की संधि मे पडा हुआ था।

२)लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा हैं?

उत्तर:क्यों की वह एक साथ समाधरित,अनाधरित,अति सम्मानित और अति अवमानित पक्षी हैं।

३)लेखिका ने गिल्लू के घाओं पर क्या लगाया?

उत्तर:लेखिका ने गिल्लू के घाओं पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

४)वर्मा जी गिलहरि को किस नाम से बुलाति थी?

उत्तर:लेखिका जी गिलहरि को गिल्लू के नाम से बुलाती थी।

५)गिलहरि का लघू गात किस के अंदर(भीतर)बंद रहता था?

उत्तर:गिलहरि का लघू गात लिफाफे के अंदर(भीतर)बंद रहता था।

६)गिलहरि का प्रिय खाद्य क्या था?

उत्तर:गिलहरि का प्रिय खाद्य काजू था।

७)गिलहरि गर्मी के दिनो में कहां लेट(सोता) जाता था?

उत्तर:गिलहरि गर्मी के दिनो में सूराही पर लेट(सोता)जाता था।

८)लेखिका को किस कारण से अस्पताल में राहना पडा?

उत्तर:लेखिका को मोटर-दूर्घटना के कारण अस्पताल में रहना पडा।

९)गिलहरियों की जीवनावधी सामान्यथा कितनी होती है?

उत्तर:गिलहरियों की जीनावधी सामान्यथा दो(२)साल होती है।

१०)गिलहरी की समाधी कहां बनायी गयी है?

उत्तर:गिलहरी की समाधी सोनजूही लता के निचे बनायी गयी है।

११)गिलहरी का बच्चा कहां से गिरपडा था?

उत्तर:गिलहरी का बच्चा घोसले से गिरपडा था।

१२)गिल्लू सूराही पर क्यों लेट जाता था?

उत्तर:क्यों कि वह ठंडक भी पाता था और लेखिका के पास भी रहता था।

१३)गिल्लू की समाधी सोनजूही लता के निचे क्यों बनायी गयी थी?

उत्तर:क्यों की उसे सोनजूही लता बहूत प्रिय(पसंद)लगति थी इसलिए उसकी

समाधी सोनजुही लता के निचे बनायी गयी हें।

तीन अंक के प्रश्न

१)गिल्लू के प्रति लेखिका की ममता का वर्णन किजीए?

उत्तर:*वर्मा जी ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाकर उसके मूंह में पानी डाला।

*गिल्लू को रहने केलिए एक झूला बनाया। *थाली के पास बैटकर खाना सीखाया। *अंतिम दिनो में

हिटर लगाकर उष्णता देने की कोशिश की। *ईन सभी जगहो में वर्मा जी की ममता दिखायी देती है।

२)गिल्लू कार्य कलापों के बारे में लिखिए? उत्तर:*गिल्लू अपनी चमकिली आंखो से और झब्बेदार पूंछ से सबको चकित करता था। *लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए पैर से सिर तक आकर उतरता था। *लेखिका को चौकाने के लिए कभी फूलदान के फूलों में,परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था। *थाली के पास बैटकर खाना खाता था। *लेखिका की अस्वस्थता में उनके तकिये के पास बैटकर अपने पंजो से उनके बाल सहलाता था।

दो अंक के प्रश्न

१)लेखिका ने गिल्लु के प्राण कैसे बचाये?

२)लेखिका का ध्यान आकर्षीत करने के लिए गिल्लु क्या करता था?

३)गिल्लु ने लेखिका की गैर हाजरी में दिन कैसे बिताये?

अनूरुपता

१)कश्मीरी सेब:कहानी::गिल्लु:.....।

:- रेखाचित्र

२)तूलसी के दोहे:तूलसीदास::गिल्लू:.....।

:- महादेवी वर्मा

३)अब्दूल कलाम:जनवादी राष्ट्रपति::महादेवी वर्मा:.....।

:- आधुनिक मीरा

४)अब्दुल कलाम:भारत रत्न::महादेवी वर्मा:.....।

:-ज्ञानपीठ पुरस्कार

५)१९०७:महादेवी वर्मा जी का जन्म::१९८७:....।

:-महादेवी वर्मा जी का निधन

६)गिल्लू की पूंछ:झब्बेदार::गिल्लू की आंखे:.....।

:-चमकीली

७)कोयल:मधुर स्वर::कौआ:....।

:-कर्कश स्वर

८)बिल्ली:मियाऊं -मियाऊं::गिल्लू:....।

:-चिक चिक

९)अभीनव मनुष्य:आधुनिक मनुष्य का वर्णन::गिल्लू:....।

:-स्नेह भाव तथा प्राणी दया की सीख

१०)गुलाभ:पौधा::सोनजुही:...।

:-लता

जोडकर लिखिये

क	ख
१)आधुनिक मिरा	अ)महादेवी वर्म।
२)गिल्लू	आ)रेखा चित्र/महादेवी वर्म।
गिल्लू का प्रिय खाद्य	इ)काजू था।
४)गिल्लू की जीवनावधी	ई)दो साल हें।
५)सोनजुही लता के निचे	उ)गिल्लू की समाधि थी।

अन्य लिंग

१)लेखक-लेखिका २)श्रीमान-श्रीमती ३)मयूर-मयूरी ४)कुत्ता-कुत्तिया

अन्य लिंग

१)ऊंगली-ऊंगलियां २)खिडकी-खिडकियां ३)आंख-आंखे ४)लिफाफा-लिफाफे ५)गमला-गमले

६)कौआ-कौएं ७)घोसला-घोसले ८)पूंछ-पूंछें ९)पंजा-पंजे १०)फूल-फूल

विलोम शब्द

१)निकट-दूर २)दिन-रात ३)भीतर-बाहर ४)चढना-उतरना ५)बलवान-बलहिन ६)बुद्दिमान-बुद्दिहिन

७)शक्तिमान-शक्तिहिन ८)दयावान-दयाहिन ९)इमान-बेइमान १०)होश-बेहोश ११)खबर-बेखबर १२)चैन-बेचैन

१३)विश्वास-अविश्वास १४)प्रिय-अप्रिय १५)संतोष-असंतोष १६)स्वस्थ-अस्वस्थ १७)उत्तीर्ण-अनुतिर्ण

१८)उपस्थिती-अनुपस्थिती१९)उचित-अनुचित २०)उपयोग-अनुपयोग २१)धन-निर्धन २२)जन-निर्जन

२३)बल-निर्बल २४)गुण-निर्गुण

प्रेरणार्थक क्रिया रुप

क्रियापद	प्रथमप्रेरणार्थक	व्दितियप्रेरणार्थक
१)चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
२)लिखना	लिखाना	लिखवाना
३)मिलना	मिलाना	मिलवाना
४)चलना	चलाना	चलवाना
५)देखना	दिखाना	दिखवाना
६)भेजना	भिजाना	भिजाना
७)खेलना	खिलाना	खिलवाना
८)देना	दिलाना	दिलवाना
९)सोना	सुलाना	सुलवाना
१०)रोना	रुलाना	रुलवाना
११)धोना	धुलाना	धुलवाना
१२)खोलना	खुलाना	खुलवाना
१३)पीना	पिलाना	पिलवाना
१४)सीना	सिलाना	सिलवाना
१५)सीखना	सीखाना	सीखवाना
१६)मांगना	मंगाना	मंगवाना
१७)बांटना	बंटाना	बंटवाना
१८)मांझना	मंझाना	मंझवाना
१९)जांचना	जंचाना	जंचवाना

संधि विच्छेद करके लिखिए

संधिश्ब्द विच्छेद संधि का नाम

१)जगन्नाथ जगत्+नाथ व्यंजन संधि

२)सदाचार सत्+चार ;;

३)वाइ.मय वाक्+मय ;;

४)वागीश वाक्+ईश ;;

५)षड्दर्शन षट्+दर्शन ;;

६)तल्लीन तत्=लीन ;;

७)चिदानंद चित्+आनंद ;;

८)दिगंबर दिक्+अंबर ;;

९)सदगती सत्+गती ;;

१०)सज्जन सच्+जन ;;

११)जगन्मोहन जगत्+मोहन ;;

१२)गिरीश गिरि+ईश सवर्ण दिर्घ संधि

१३)महोत्सव महा+उत्सव गुण संधि

१४)सदैव सदा+एव व्रृध्धि संधि

१५)इत्यादी इति+आदी यण संधि

१६)नयन ने+अन अयादी संधि

कारक

कारक प्रत्यय(चिन्ह)

१)कर्ता ने(ಅ)

२)कर्म को(ಅನ್ನು)

३)करण से(जोडने का काम करता हैं)ಇಂದ

४)संप्रदान केलिए केवास्ते केद्वारा(ಗೆ ಇಗೆ ಅಕ್ಕೆ)

५)अपादान से(अलग करना)ದೆಸೆಯಿಂದ

६)संबंध का,के,की ಅ

७)अधिकरण मे,पर ಅಲ್ಲಿ

८)संबोधन हे,अरे,ओ,हो,ವಾಹ್ಎ ಒ ಹೆ ಅರೆ

कन्नड मे अनुवाद करना

१)दिनभर गिल्लू ने न कूछ खाया,न बाहर गया।

:-ದಿನವಿಡಿ ಗಿಲ್ಲೂ ಏನೂ ತಿನ್ನಲೂ ಇಲ್ಲ,ಹೊರಗಡೆ ಹೊಲೂ ಇಲ್ಲ,

२)कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मूंह में एक बूंद पानी टपकाया जा सका।

:-ಹಲವು ಘಂಟೆಗಳ ಉಪ್ಚಾರ(ಚಿಕಿತ್ಸೆ)ಮಾಡಿದ ತರುವಾಯ ಅದರ ಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲಾಯಿತು,

३)बडी कठिनाई से मैने उसे थाली के पास बैटकर खाना सीखाया।

:-ಬಹಳ ಕಷ್ಟದಿಂದ ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಹತ್ತಿರ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವೂದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ,

४)गिल्लू मेरे पास रखि सूराही पर लेट जाता था।

:-ಗಿಲ್ಲೂ ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇದ್ದ ಮಡಿಕೆಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು,

पाठ ४- अभिनव मनुष्य

शब्दार्थ

१)दुनिया-विश्व,प्रपंच-जगत्तु,ವಿಶ್ವ २)सर्वत्र-हमेशा-ಯಾವಾಗಲು ३)विजयी-जय,जीत-ಗೆಲುವು

४)आसीन-बैठना-ಕುಳಿತುಕೋಳ್ಳು ५)नर-मनुष्य,आदमी-ಮನುಷ್ಯ ६)कर-हाथ,हस्त-ಕರ,ಕೈ

७)वारी-जल,पानी-ನೀರು ८)विध्यूत-ऊर्जा,शक्ति-ವಿದ್ಯುತ್ ९)भाप-भाष्प,उष्णता-ಬಿಸಿಲು,ಉಷ್ಣತೆ

१०)हुक्म-आदेश-ಆದೇಶ ११)पवन-हवा,वायु-ಗಾಳಿ १२)ताप-धुप,भाष्प-ಬಿಸಿಲು,ಬಾಷ್ಪ

१३)व्यवधान-रुकावट,बाधा-ಅಡೆ,ತಡೆ १४)लांघना-पारकरना-ದಾಟುವುದು १५)सरित-नदी-ನದಿ,ಹೋಳೆ

१६)गिरि-पहाड,पर्वत-ಬೆಟ್ಟ,ಗುಡ್ಡ १७)सिधुं-सागर-ಸಮುದ್ರ १८)यान-नौका-ನೌಕೆ १९)परमाणु-कण,अणु

के कण-ಪರಮಾಣು २०)आलोक-प्रकाश-ಬೆಳಕು २१)आगार-घर,संग्रहस्थान-ಮನೆ,ಭಂಡಾರ

२२)व्योम-गगन,आकाश-ಆಕಾಶ २३)ज्ञेय-जानकारी-ಜ್ಞಾನ,ಅರಿವು २४)श्रेय-श्रेष्टता,ಬಡಪ್ಪನ-ಶ್ರೆಷ್ಠತೆ,ದೊಡ್ಡತನ

२५)चैतन्य-समझ-ಅರಿವು,ತಿಳುವಳಿಕೆ २६)उर-हृदय-हृदय २७)असीमीत-अपरिमित,संपूर्ण-ಸಿಮೆಇಲ್ಲದೆ

२८)व्यवधान-परदा,दूरी-ಅಡೆ,ತಡೆ

एक अंक के प्रश्न

१)आज की दुनिया कैसी हैं?

उत्तर:-आज की दुनिया विवित्र और नवीन हैं।

२)मानव के हुक्म पर क्या चढता और उतरता हैं?

उत्तर:-मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढता और उतरता हैं।

३)परमाणु किसे देखकर कांपते हैं?

उत्तार:-परमाणु मनुष्य के हाथों(करों)को देखकर कांपते हैं।

४)पारमाणु मनुष्य के हाथों को देखकर क्यों कांपते हैं?

उत्तर:-क्यों कि मनुष्य के हाथ(कर)परमाणु से भी खतरनाक(भयंकर)हैं इसलिए।

५)आधुनिक पुरुष ने किस पर विजयी पायीहैं? उत्तर:-आधुनिक पुरुष ने प्रकृती पर विजयी पायी हैं।

६)नर किन-किन कोएक समान लांघसकता हैं? उत्तर:-नर नदी,सागर और पहाद को एक समान लांघ सकता हैं।

७)आज मनूज का यान कहां जा रहा हैं?

उत्तर:-आज मनूज का यान गगन में जा रहा हैं।

८)आधुनिक मनुष्य किसपर आसीन हुआ हैं?

उत्तर:-आधुनिक मनुष्य प्रकृती पर आसीन हुआ हैं।

९)आधुनिक मनुष्य को किस का आगार माना जाता हैं?

उत्तर:- आधुनिक मनुष्य को ज्ञान,विज्ञान और प्रकास(आलोक)का आगार माना जाता हैं।

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)दिनकरजी के अनूसार मानव का सहि परिचय क्या हैं? अथवा

*कवि के अनुसार मानव कहलाने का अधिकारी कौन हैं? अथवा

*आधुनिक पुरुष(मनुष्य)कैसा होना चाहिए।स्पष्ट किजीए?

उत्तर:-*प्रकृती पर विजय प्राप्त करना मनुष्य् की साधना है।

*मानव-मानव के बिच स्नेह का बांध बांधना मानव की सिद्दि है।

*जो मानव दुसरे मानव से प्रेम का रिस्ता जोडकर आपसि दूरी को मिठए,वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।

२)आधुनिक मानव की भौतिक साधना का विवरण कविता के आधार पर किजीए? अथवा

* "प्रक्रूती पर सर्वत्र हैं विजयी पुरुष आसीन"-इस पंक्ती का आशय समझाइए।

उत्तर:-*आधुनिक मानव ने प्रकृती के हर तत्व को अपने नियंत्रण में कर लिया हैं।

*वह नदी,पर्वत,सागर को एक समान लांघ सकता हैं। *उसका यान गगन में जा रहा हैं।

*वह परमाणु का भी प्रयोग कर रहा हैं। *उसकी बौद्दिक क्षमता असीमीत हैं।

अनुरुपता .

१)गिल्लू:प्राणिदया की सीख::अभिनव मनुष्य:...।

:-आधुनिक मानव का विश्लेषण

२)मेरा बचपन:अब्दूल कलाम::अभिनव मनुष्य:...।

:-रामधारिसिंह दिनकर

३)सर् एम् विश्वेश्वरय्या:भारत रत्न पुरस्कार::रामधारिसिंह दिनकर:.....।

:ज्ञान पीठ पुरस्कार

४)नर:आदमि::उर:.....।

:-हृदय

जोडकर लिखिए

क	ख
१)अभिनव मनुष्य	अ)रामधारिसिंह दिनकर।
२)अभिनव मनुष्य	आ)आधुनिक मानव का विश्लेषण।
३)प्रकृती पर सर्वत्र हैं	इ)विजयी पुरुष आसीन।
४)आज की दुनिया	ई)विचित्र और नवीन।
५)व्योम से पाताल तक	उ)सब कूछ इसे हैं ज्ञान।

विलोम श्ब्द

१)आज-कल २)आधुनिक-प्राचिन ३)पुरुष-स्त्री ४)नर-नारी ५)चढना-उतरना ६)समान-असमान

७)ज्ञान-अज्ञान ८)सिमित-असिमित ९)जीत-हार १०)तोड-जोड

अनेक श्ब्द के लिए एक श्ब्द

१)सभी जगहो में-सर्वत्र २)आसन पर बैठा हुआ-आसीन ३)बचा हुआ-शेष

४)मनु की संतान-मनुष्य ५)विशेष ज्ञान-विज्ञान ६)अधिक विध्या प्राप्त-विद्वान

पाठ ५- मेरा बचपन

शब्दार्थ

१)कस्बा-छोटा शहर-ಚಿಕ್ಕಪಟ್ಟಣ २)औपचारिक-सादारन शिक्षा-ಸಾಧಾರಣ ಶಿಕ್ಷಣ

३)उदारता-बडापन-ಉದಾರತ ४)जीवनसंगीनी-पत्नी-ಜೀವನ ಸಂಗಾತಿ ५)कद-काठि-दे

का गठन-ದೇಹದ ರಚನೆ ६)पुश्तैनी-जो पिडियों से चला आरहा हो-ವಂಶಪಾರಂಪರ

७)पक्का-रेहने लायक-ಇರಲೂ ಯೋಗ್ಯ ८)आडंबरहीन-ऐशो आराम से दूरहना-ಆಡಂಬರಹೀನ

९)समुचित-योग्य-ಯೋಗ್ಯ,ಸರಿಯಾಗಿ १०)सुलभता-आसानी-ಸರಳವಾಗಿ ११)उपलब्द-प्राप्त-ಪ್ರಾಪ್ತ

१२)सादगी-सादापन-ಸರಳತೆ १३)इलाका-मोहल्ला-ಓಣಿ,ಬೀದಿ १४)अभिन्न-अछ्छे मित्र-ಒಳ್ಳೆಯ ಮಿತ್ರ

१५)इतर ब्रह्मांड-दुसरे लोक का हिस्सा-ಬ್ರಹ್ಮಾಂಡ १६)दौलत-संपत्ती,धन-ಹಣ,ಅಂತಸ್ತು

१७)प्रौध्योगी-शंशोधन-ಸಂಶೋಧನ १८)भरसक-पुरा,यथाशक्ति-ಪೂರ್ಣ १९)नौका-जहाज

-ಹಡಗು २०)ठेकेदार-कामकरानेवाला-ಗುತ್ತಿಗೆದಾರ २१)तट-किनारा-ದಡ,ತೀರ २२)तूफान-तेज हवा

बहना-ಬಿರುಗಾಳಿ २३)ऊर्जा-शिक्त,ताकत-ಶಕ್ತಿ २४)हतप्रभ-शिथिल,निश्तेज-ಶಾಂತ,ವಿಸ್ಮಿತ

२५)बोध-सीखना-ಕಲಿಸುವದು २६)दुर्लभ-आसान से न मिलना-ಕೈಗೆ ಸಿಗಲಾರದ २७)चचेरा-बडाभाई-

ಒಡಹುಟ್ಟಿದ २८)अखबार-समाचार पत्र-दिन ಪತ್ರಿಕೆ २९)जुमला-कूल-ಒಟ್ಟು ३०)विरासत-उत्तराधिकार में

मिली संपत्ती-ವಂಶಪಾರಂಪರವಾಗಿ ದೊರೆತ ಸಂಪತ್ತು

एक अंक के प्रश्न

१)अब्दुल कलाम जीका जन्म कहां हुआ था?

उत्तर:-अब्दुल कलाम जी का जन्म तमीलनाडू के रामेश्वरम् में हुआ था।

२)अब्दुल कलाम जी बचपन में किस घर में रहते थे?

उत्तर:-अब्दुल कलाम जी बवपन में पुश्तैनी घर में रहते थे।

३)कलाम जीके बचपन में दुर्लभ वस्तु क्याथी?

उत्तर:-कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु पुस्थकें थी।

४)जैनुलाबदिन ने कौनसा काम शुरु किया?

उत्तर:- जैनुलाबदिन ने लकडी की नौकाएं बनाने का काम शुरु किया।

५)कलाम जी के चचेरे भाई कौन थे?

उत्तर:-कलाम जी के चचेरे भाई शम्सुद्दिन थे।

६)कलाम जी और जलालुद्दिन हमेशा किस विषय पर बात करते थें?

उत्तर:-कलाम जी और जलालुद्दिन हमेशा आध्यात्मीक विषय पर बात करते थें।

७)अब्दुल कलाम जी के माता-पिता का नाम क्या था?

उत्तर:-अब्दुल कलाम जी की माता आशियम्मा और पिता जैनुलाबदिन थें।

८)अब्दुलकलाम जी बचपन में कैसे दिखतेथे? उत्तर:-अब्दुल कलाम जी बचपन में छोटी क्द् काटी

के साधारण से दिखनेवाले बच्छे थे।

९)रामेश्वरम् में कलाम जीका घर कहां परथा? उत्तर:-रामेश्वरम् में कलाम जी घर

मसजिदवाली गली में था।

१०)कलाम जी के पिता कैसे व्यक्ति थे?

उत्तर:-कलाम जीके पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे।

११)कलाम जी का बचपन कैसे बिता?

उत्तर:-कलाम जी का बचपन निश्चिंतता और सादगी में बीता।

१२)कलाम जी की बहन का नाम क्या था?

उत्तर:-कलाम जीकी बहन का नाम जोहराथा।

१३)अहमद जलालुद्दिन कलाम जी को क्या कहकर बुलाते थे?

उत्तर:-अहमद जलालुद्दिन कलाम जी को आजाद कहकर बुलाते थे।

१४)अब्दुल कलाम जी को नई दुनिया का बोध किसने कराया?

उत्तर:-अब्दुल कलाम जी को नई दुनिया का बोध अहमद जलालुद्दिन ने कराया था।

दो अंक के प्रश्न

१)अब्दुल कलाम जी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए?

उत्तर:-*कलाम जी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे। *सभी अनावश्यक और ऐशो आरामवालि चिजों से दूर रहते थे। *पर घर में सभी आवश्यक चीजें सही मात्रा में आसानी से मिलती थी। *इस से कहसकते हैं की कलाम का बचपन निश्चिअंतता और सादगी में बीता हैं।

२)आशियम्मा जी कलाम जी को खाने में क्या-क्या देती थी?

उत्तर:-*कलाम जी हमेशा रसोइ घर में बैठकर खाना कायाकरते थे। *आशियम्मा जी उनके सामने केले का पत्ता डालकर,उसपर चावल,एवं सुगंधित,स्वादिस्ट सांबर डलती थी। *उसके साथ घर में बना अचार और नारियल की चटनी भी डालती थी।

३)जैनुलाबदिन नमाज की प्रासंगीकता के बारे में क्या कहते हैं?

उत्तर:-*वह कहते हैं कि-जब हम नमाज पढते हैं तो हमारे शरिर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बनजाते हैं। *जिससे दौलत,आयु,जाती,या धर्म-पंथ का कोइ भेद भाव नहीं होता हैं।

४)कलाम जी को जलालुद्दिन ने नई दुनिया का बोध कैसे कराया?

उत्तर:-*जलालुद्दिन हमेशा कलाम को शिक्षीत लोंगो के बारे में बताते थे। *वे वैज्ञानिक खोजों,समकालिन साहित्य,चिकित्सा,विज्ञान की उपलब्दियों के बारे में बताते थे। *ज्नान संबंधि जानकारियों से कलाम जी सिमीत दारे से बाहार निकला और नई दुनिया का बोध हुआ।

मुहावरा

१)पौं फटना-प्रभात होना २)काम आना-काम में आना, इस्तेमाल होना

अनुरुपता

१)गाधिजी:राष्ट्रिपता::अब्दुल कलाम:.....।

:-जनवदी राष्ट्रपति

२)रोबोट:कहानी::मेरा बचपन:.....।

:-आत्मकथा

३)बाल शक्ति:जगतराम आर्य::मेता बचपन:....।

:-ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

४)आई टी:इनफारमेशन टेकनालजी::ए पी जे:....।

:-अऊल फकीर जैनुलाबदिन

५)महादेवी वर्मा:ज्नान पीठ पुरस्कार::अब्दुल कलाम:...।

:-भारत रत्न पुरस्कार

जोडकर लिखिए

क)	ख
१)कलाम का जीवन	अ)सादगी की मिसाल।
२)मद्रास राज्य	आ)तमीलनाडू।
३)पक्का दोस्त	इ)रामानंद शाश्त्री।
४)अहमद जलालुद्दिन	ई)अंतरंग मित्र।
५)मेरे पिता	उ)जैनुलाबदिन।
६)रामेश्वरम् का मंदिर	ऊ)शिवजी का था।

पाठ ६-बसंत की सच्छाई

शब्दार्थ

१)छलनी-जालिदार छोटा उपकरण-ಸಾಣಿಗೆ २)बटन-ಬಟನ್ ३)दियासलाई-माचिस-ಬೆಂಕಿ ಕಡ್ಡಿ

४)खद्दरधारी-खादिवस्त्र पहनेहुए व्यक्ति-ಖಾದಿತೊಟ್ಟವನು ५)मजदूर-कार्मीक-ಕೆಲಸಗಾರ

६)बिका-व्यापार-ಮಾರಾಟ ७)खरीदना-लेना-ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳು ८)भीख-भीक्षा-ಭಿಕ್ಷೆ ९)टटोलना-ढूंडना-ಹುಡುಕು

१०)भूना-छुट्टा कराना-ಚಿಲ್ಲರೆ ಮಾಡಿಸು ११)पलक-आंख की पलक-ರೆಪ್ಪೆ १२)संध्या-श्याम-ಸಾಯಂಕಾಲ

१३)व्यग्रता-व्याकूल,बेचैन-ಚಿಂತೆ १४)मकान-घर-ಮನೆ १५)बिखरा-फैला-ಹರಡು, १६)कुचला-तोडना-ಮುರಿದ

,पुडिमाडु १७)मुश्किल-कठीन-ಕಷ್ಟ १८)अहीर-ग्वाल-ಗೊಲ್ಲ १९)अहीर टीला-ग्वालों का

मोहल्ला-ಗೊಲ್ಲರ ಓಣಿ,ಬಿದಿ २०)चकित-आश्चर्यजनक-ಆಶ್ಚರ್ಯ २१)विस्मित-चकित-ಆಶ್ಚರ್ಯ

२२)ठगासा-मासुम की तरह-ಮೊಸಹೊದವನಹಾಗ २३)ओसारा-बरामदा,घरके आगे का भाग-ಅಂಗಳ

२४)दरी-बिचावन,वादर-ಚಾಪೆ २५)बस्ती-शहर-ಊರು,ಶಹರ २५)कराह-ನೆರಳುವಿಕೆ

२६)फस्ट ऐड-प्राथमीक चिकित्सा-ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಚಿಕಿತ್ಸೆ २७)भींचकर-दर्दसहकर-ನೊವು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುವುದು

२८)स्क्रीन-ಎಕ್ಷರೆ २९)दुर्लभ-विषेश-ಅಪರುಪದ ३०)ईमानदार-प्रामाणीक-ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ

एक अंक के प्रश्न

१)बसंत क्या-क्या बेचता था?

उत्तर:-बसंत छलनी,दियासिलाइ और बटन् बेचता था।

२)बसंत के भाई का नाम क्या था?

उत्तर:-बसंत के भाई का नाम प्रताप था।

३)पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे?

उत्तर:-पं राजकिशोर मजदूरों के नेता थे।

४)छलनी का दाम क्या था?

उत्तर:-छलनी का दाम दो आना था।

५)बसंत और प्रताप कहां रहते थे?

उत्तर:-बसंत और प्रताप भीखु अहीर के घर (अहीर टिला) में रहते थे।

६)"बसंत की सच्छाई" एकांकी का पहेला दृश्य कहां घटता हैं?

उत्तर:-"बसंत की सच्छाई" एकांकी का पहला दृश्य बाजार में घटता हैं।

७)बसंत के घर पर डाक्टर को कौन ले आया?

उत्तर:-बसंत के घर डाक्टर को नौकर अमरसिंह ले आया।

८)पं राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण कौनसा हैं?

उत्तर:-पं राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण इमान्दारी हैं।

९)पं राजकिशोर कहां रते थे?

उत्तर:-पं राजकिशोर किशनगंज गली में रहते थे।

१०)प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया?

उत्तर:-प्रताप राजकिशोर के पैसे लौटाने के लिए आया था।

११)बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं आ सका?

उत्तर:-क्यों की उसके उपर से मोटर के जाने के कारण उसकी पैर टूटगयी थी

इसलिए आ न सका।

चार अंक के प्रश्न

१)बसंत इमानदार लडका हैं।कैसे? अथवा बसंत के उत्तम गुणो का वर्णन किजीए?

उत्तर:-*बसंत स्वाभिमानी और इमानदार लडका था। *वह मेहनतसे पैसा कमाना चाहता था।

*परिश्रम किए बिना मिले पैसे को भीख मानता था। *अपने आपको घायल होने पर भी अपने

भाई प्रताप के हाथ में पं राजकिशोर के पैसे लौटाता हैं। *इससे पता चलता है की बसंत

ईमानदार लडका हैं।

२)पं राजकिशोर के मानविय व्यवहार का परिचय दीजिए? अथवा

*पं राजकिशोर की प्रोपकारिता अनुसरणिय हैं।स्पष्ट कीजिए?

उत्तर:-पं राजकिशोर मजदुरों के नेता थे। *गरिबों की सहायता करनेवाले आदमी थे।

*उन्हे अवश्वकता न होने पर भीबसंत की सहायता करने के लिए उससे सामान खरिदते हैं।

*मोटर् दूर्घटना बात सुनते ही डाक्टर को बसंत के घर बुला लाता हैं। *इन सब बातों से पता

चलता हैं किराजकिशोर परोपकारी व्यक्ति थे।

३)प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया था?

उत्तर:-क्यों कि बाजार में बसंत राजकिशोर को चिजें बेची थी। *पर राजकिशोर के पास छुट्टा नहीं थ *तब बसंत नोट बुनाने के लिए जाता है। *लेकिन उस समय वह मोटर के निचे आजाता है औ उसकी पैर टुटजाती है। *बाद में जब होश आता है तब वह अपने भाई प्रताप के हाथ में राजकिशोर के पैसे लौटाता है।

अनुरुपता

१)कश्मीरी सेब:कहानी::बसंत की सच्छाई:.....।

:-एकांकी

२)अभिनव मनुष्य:रामधारिसिंह दिनकर::बसंत की सच्छाई:.....।

:-विष्णु प्रभाकर

३)महादेवी वर्मा:प्राणी दयावान::पं राझकिशोर:.....।

:-मानविय दयान व्यक्ति

४)मजदूरों के नेत:पं राजकिशोर::गरिब शरणार्थी लडका:.....।

:-बसंत

५)पं राजकिशोर:किशनगंज::बसंत:.....।

:-अहीर टिला

६)पं राज्किशोर:मालिक::अमरसिंह:.....।

:-नौकर

७)प्रताप:छोटा भाई::वर्मा:.....।

:-डाक्टर

जोडकर लिखिए

क **ख**

१)बसंत की सच्छाई अ)एकांकी/विष्णु प्रभाकर ।

२)एक ईमान्दार लडका आ)बसंत।

३)किशनगंज में इ)राजकिशोर काघर।

४)छलनि का दाम ई)दो आना।

५)मजदुरों के नेता उ)पं राजकिशोर।

विलोम शब्द

१)पीछे-आगे २)आना-जाना ३)लेना-देना ४)शांती-अशांती ५)खरिदना-बेचना ६)गरिब-अमीर

अन्यवचन

१)लडका-लडकी २)बच्चा-बच्ची ३)दुबला-दुबली ४)पतला-पतली ५)थैला-थैली ६)साहब-साहिबा

७)भाई-बहन ८)मां-बाप ९)डाक्टर-डाक्टराइन १०)पंडित-पंडिताइन

समास शब्द

समस्तपद	विग्रहवाक्य	समास का नाम्
१)राजपुत्र	-राजा का पुत्र	-तत्पुरुष समास
२)पलकमार	-पलक को मार-	;;
३)सुविधानुसार	-सुविधा के अनुसार-	;;
४)माता-पिता	-माता और पिता	-व्दंव्दं समास
५)दुबला-पतला	-दुबला और पतला-	;;
६)बेहोश	-होश जिसमे न हो	-अव्ययिभाव
७)नीलपरदा	-नीला है जो परदा	-कर्मधरेय
८)पंद्रह मिनट	-पंद्रह मिनतो का सनुह	-व्दिगु
९)अपाहिज	-टुटे है पैर जिसके	-बहुव्रिही समास

कन्नड में अनुवाद कीजिए

१)सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका है।

:-ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಏನು ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ.

೨)मैं भीख नहीं लूंगा।

:ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆಯನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.

೩)बडी मुश्किल से बसंत को घर ले गए।

:-ಬಹಳ ಕಷ್ಟದಿಂದ ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೊದೆವು.

೪)यह गरिब है,पर इसमे एक दुर्लभ गुण हैं।

:-ಇವನು ಬಡವನಿದ್ದಾನೆ,ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ವಿಶೆಷವಾದ ಗುಣ ವಿದೆ

೫)बसंत ओंठ भींचकर आह,खिंचता हैं।

:-ಬಸಂತ ತುಟಿಯನ್ನು ಕಚ್ಚಿಕೊಂಡು ನೊವನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾನೆ.

पाठ ७- तुलसी के दोहे

शब्दार्थ

१)मुखिया-नायक,नेता-ನಾಯಕ ೨)सो-के-ಹಾಗೆ ೩)खान-खाना-ತಿನ್ನಲು,ಊಟ ೪)पान-पीना-ಕುಡಿಯಲು

೫)पालै-पोसै-पालन पोषण-ಪಾಲಣೆ-ಪೋಷಣೆ ೬)सकल-सभी-ಎಲ್ಲ ೭)अंग-भाग-ಅಂಗ,ಭಾಗ

೮)विवेक-आलोचना,सोचना-ವೀವೆಚನೆ ೯)जड-चेतन-सार-निस्सार-ಒಳ್ಳೆಯ-ಕೆಟ್ಟದು

೧೦)दोषमय-दोष-ದೋಷ ೧೧)विस्व-जगत,संसार-ವಿಶ್ವ ೧೨)कीन्ह-किया-ಮಾಡಲಾಗಿದೆ

೧೩)करतार-सृष्टिकर्ता-ಭಗವಂತ ೧೪)गहही-गेहरा-ಆಳವಾದ ೧೫)पय-दूध,क्षिर-ಹಾಲು

೧೬)परिहरि-छोडकर,त्यागकर-ಬಿಟ್ಟುತ್ಯೆಜಿಸು ೧೭)वारी-पानी,जल-ನೀರು ೧೮)विकार-बूरा-ಕೆಟ್ಟ

೧೯)अभिमान-अहंकार-ಅಹಂಕಾರ ೨೦)छांडिये-छोडकर-ತ್ಯೆಜಿಸು,ಬಿಡು ೨೧)लग-तक-ವರೆಗೆ

೨೨)घट-शरीर,देह-ದೇಹ ೨೩)विपत्ति-संकट,कष्ट-ಸಂಕಟ ೨೪)विनय-सादापन-ಸಾಧಾರಣ

೨೫)साहस-धर्य-ಧೈರ್ಯ ೨೬)सुकृती-अच्छा काम-ಒಳ್ಳೆಯ ಕೆಲಸ ೨೭)सुसत्यव्रत-सत्यवान-ಸತ್ಯವಂತ

२८)भरोसो-भरोसा-ಭರವಸೆ २९)मनि-मानव-ಮಾನವ ३०)जीह-जीभ-ನಾಲಿಗೆ ३१)धरु-शरीर,देह-ದೇಹ

३२)देहरी-देहेलिज-ಹೊಸ್ತಿಲು ३३)व्दार-दरवाजा-ಬಾಗಿಲು ३४)बाहिरो-बाहर-ಹೊರಗೆ

३५)चाहसी-चारोओर-ನಾಲ್ಕು ಕಡೆ,ಸುತ್ತಲು ३६)उजियार-उजाला,प्रकाश-ಪ್ರಕಾಶ,ಬೆಳಕು

एक अंक के प्रश्न

१)तुलसीदास मुख को क्या मानते थे?

उत्तर:- तुलसीदास मुख को मुखिया मानते थे।

२)मुखिया को किसके समान रहना चाहोए?

उत्तर:-मुखिया को मुख के समान रहना चाहिए।

३)हंस का गुण कैसा होता हैं? उत्तर:-हंस का गुण अच्छा होता हैं।

४)मुख किसका पालण पोषण करता हैं?

उत्तर:-मुख शरीर के सभी अंगो का पालण पोषण करता हैं।

५)दया किसका मूल हैं?

उत्तर:-दया धर्म का मूल हैं।

६)तुलसीदास किस शाखा के कवी हैं?

उत्तर:-तुलसीदास रामभक्ति शाखा के कवी हैं।

७)तुलसीदास के माता-पिता का नाम क्या था?

उत्तर:-तुलसीदास की माता हुलसी और पिता आत्माराम थे।

८)तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं?

उत्तर:-तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी विध्या,विनय और विवेक हैं।

९)सृष्टिकर्ता ने संसार को किससे बनाया हैं?

उत्तर:-सृष्टिकर्ता ने संसार को गुण-दोष,जड-चेतन से बनाया हैं।

१०)पाप किसका मूल हैं? उत्तर:-पाप अभीमान का मूल हैं।

अनुरुपता

१)सूरदास:सूरश्याम::तुलसीदास:....।

:-तुलसी के दोहे

२)कृष्ण भक्त:सूरदास::राम भक्त:....।

:-तुलसीदास

३)प्रेमचंद:धनपतराय::तुलसीदास:....।

:-रामबोला

४)सूरश्याम:पद::तुलसी के दोहे:....।

:-दोहे

५)कूरुक्षेत्र:रामधारिसिंह दिनकर::रामचरितमानस:....।

:-तुलसीदास

६)जीभ की तुलना:देहरी से::राम नाम की तूलना:....।

:-दीप से

जोडकर लिखिए

क	ख
१)तुलसीदास	अ)राम भक्ति शाखा।
२)रामबोला	आ)तुलसीदा का बचपन का नाम।
३)जब लगघट	इ)में प्राण।
४)परिहरि वारी	ई)विकार।
५)विश्व किन्ह	उ)करतार ।
६)सूसत्यव्रत	ऊ)रामभरोसो एक।

*दोहे का भावार्थ लिखिए *

१)मुखिया मुख सो चाहिए,खान पान को एक।

पालै पोसै सकल अंग,तुलसी सहित विवेक॥

उत्तर:-*तुलसी दास जी कहते है की- जिस तरह मुखिया खाने पीने का

काम अकेला करता है। *और सारे शरीर के अंगो का पलण-पोषण करता है।

*ठीक उसी तरह नायक को विवेकवान बनकर काम अकेला करना चाहिए और

उसका फल सभी में बंटना चाहिए।

२)जड चेतन,गुण-दोषमय,विश्व कीन्ह करतार ।

संत-हंस गुण गहहि पय,परिहरि वारि विकार ॥

उत्तर:-*सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड-चेतन और गुण-दोष मिलाकर बनाया है।

*अर्थात इस संसार में अच्छे बूरे,समझ ना समझ के रुप में अनेक गुण-दोष भरे हुए है।

*लेकिन हंस रुपी साधु लोग विकारों को छोडकर अच्छे गुणो को अपना ना चहिए।

३)दया धर्म का मूल है,पाप मूल अभिमान ।

तुलसी दया न छांडिये,जब लग घट में प्राण ॥

उत्तर:-*दया धर्म का मूल है और पाप मूल अभिमान का। *इसलिए तुलसीदास जी कहते

है कि जब तक शरीर में प्राण है तब तक मानव को अपना अबिमान छोडकर दयालू बने

रहना चाहिए।

४)तुलसी साथी विपत्ति के, विध्या विनय विवेक ।

सहस सुकृति सुसत्यव्रत,राम भरोसो एक ॥

उत्तर:-*इस दोहे में तुलसीदास जी करहे है कि मनुष्य पर जब विपत्ती पडती है।

*तब वोध्या,विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते है। *जो राम पर भरोसा करता है,

वह साहसी,सत्यव्रत और सुकृतवान होता है।

५)राम नाम मनि दीप धरु,जीह देहरी व्दार ।

तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ॥

उत्तर:-*इस दोहे व्दारा तुलसीदास जी कहरहे है कि जिस तरह देहलिज पर दीप रखने

से घर के अंदर और बाहर प्रकाश फैलता है। *उसी तरह राम नाम जपने से मानव की

आंतरिक और बह्य शुद्दि होती है

पाठ ८-इंटरनेट क्रातीं

शब्दार्थ

१)दायारा-सीमा,क्षेत्र-ಸಿಮೆ,ತೀರ २)नजरिया-दृष्टिकोन-ನೋಟ.ದೃಷ್ಟಿಕೊನ ३)विस्त्रूत-अधिक -ಹೆಚ್ಚಿನ,ವಿಸ್ತೃತ ४)सुझाव-सलाह-ಸಲಹೆ ५)सवाल-प्रश्न-ಪ್ರಶ್ನೆ ६)मतलब-अर्थ-ಅರ್ಥ

७)खबर-संदेश-ಸುದ್ದಿ,ಸಂದೇಶ ८)व्यय-खर्च-ಖರ್ಚು,ವ್ಯಯ ९)पलभरमें-क्षण में-ಕ್ಷಣಮಾತ್ರದಲ್ಲಿ

१०)स्थिर-भावचित्र-ಸ್ಥಿರಚಿತ್ರ ११)मुमकिन-आसान,सरल-ಸರಳ १२)संचार-संवहन-ಸಂವಹನ

१३)सूचना-जानकारी-ಮಾಹಿತಿ १४)ठप-बंद,थमजाना-ಬಂದಾಗು,ನಿಲ್ಲು १५)रकम-पैसा,रुपया,धन -ಹಣ,ರುಪಾಯಿ १६)विभिन्न-अलग-ಬೇರೆ १७)विनिमय-आदान प्रदान करना-ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳುವುದು

१८)बेरोजगारी-बिना काम के-ನೀರುದ್ಯೊಗ १९)मिटाना-कम करना-ಕಡಿಮೆ ಮಾಡು

२०)रहन-सहन-रहने का तरिका-ಇರುವಿಕೆ २१)वेश-भूषा-पहनाव-भूषण-ವೇಷ-ಭೂಷಣ

२२)अभिलेख-लिखित,दखला-ಕಡತ,ದಾಖಲೆ २३)यथावत्-जैसे के तैसे-ಹೆಗಿದೆಯೊ ಹಾಗೆ

२४)पैरसी-चुराकर प्रतिया बनाना-ಕಳುವು २५)बैंकिंग फ्राड-बैंकिंग मे चोरि करना-ಬ್ಯಾಂಕುಗಳಲ್ಲಿ ಮಾಹಿತಿ ಕಳುವು ಮಾಡುವುದು २६)हैंकिंग-खबरो की चोरी-ಮಾಹಿತಿ ಕಳುವು ಮಾದುವದು

२७)पाशा-बंधंन-ಬಂಧನ

एक अंक के प्रश्न

१)इंटरनेट का अर्थ क्या हैं?

उत्तर:-इंटरनेट का अर्थ अंतरजाल हैं।

२)सूचना व् संचार क्षेत्र में इंटरनेट का क्या स्थान है?

उत्तर:-बिना इंटरनेट के सूचना व संचार क्षेत्र ठप्(बंद) पड जाते है।

३)इंटरनेट बैंकिंग व्दारा क्या भेजा जा सकता है?

उत्तर:-इंटरनेट बैंकिंग व्दारा रकम(पैसा)भेजा जा सकता है?

४)प्रगतिशील राष्ट्र किसके व्दारा बदलाव लानेकी कोशिश कररहे है?

उत्तर:-प्रगतिशील राष्ट्र इंटरनेट व्दारा बदलाव लानेकी कोशिश कररहे है।

५)समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है?

उत्तर:- समाज के चिकित्सा,कृषी,चिकित्सा विज्ञान,अंतरिक्ष विज्नान,शिक्षा

आदी क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है।

६)इंटरनेट का असर किस पर पडा है?

उत्तर:-इंटरनेट का असर बडे-बूडो से लेकर छोटे बच्छों पर पडा है।

७)आज का युग कैसा है?

उत्तर:-आज का युग इंटरनेट युग है।

८)इंटरनेट ने पूरे विश्व को क्या कर दिया है?

उत्तर:-इंटरनेट पूरे विश्व को एक छोटा गांव सा करदिया है।

९)इंटरनेट के व्दारा हम किसको मिटा सकते है?

उत्तर:-इंटरनेट के व्दारा हम बेरोजगारी को मिटा सकते है।

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)ई-गवर्नेस का परिचय दीजिए?

उत्तर:-*ई-गवर्नेस के व्दारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण,अभीलेख

,सरकारी आदेश आदी को यथावत् लोगों को सूचित कियाजाता हैं। *इससे प्रशासन

पारदर्शी बनता है।

२)व्यापार और बैंकिंग मे इंटरनेट से क्या मदत मिलती है? अथवा

*इंटरनेट ने मानव जीवन को सुखमय बनाया है। कैसे?

उत्तर:-*इंटरनेट के व्दारा घर बैटे-बैटे खरिदारी कर सकते है। *घर पर बैटे ही कोई भी बिल् भर सकते है। *इसके व्दारा देश-विदेश में रहनेवाले लोगों को जितनि बी चाहे उतनि रकम(पैसा)भेज सकते है। *इससे घंटो लाइन में खडे रहने से बच सकते है। *इससे हमारा अमूल्य समय भी बच जाता है।

३)"सोशल नेटवर्कींग" एक क्रांती कारी खोज है। कैसे? अथवा

*सोशल नेटवर्किंग से समाज पर क्या असर पड रहा है?

उत्तर:-*सचमूच सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतीकारी खोज है। *इसने दूनिया के लोगों को एक जगह पर ला खडा करदिया है। *सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स है जैसे-फेसबूक ,आर्कूट,लिंकदन आदी। *इन साट्सो के कारण देश-विदेश में रहनेवाले लोगों की रहन-सहन,खान-पान,वेश-भूषा के साथ-साथ संस्कृती,कला आदी का असर समाज पर शिघ्राति शिघ्र पड रहा है।

४)इंटरनेट से कौन-कौन सि हनिया है? अथवा इम्टरनेट इस समाज के लिए अभिषाप है। कैसे?

उत्तर:-*इंटरनेट एक ओर वर्दान है तो दूसरी ओर अभिषाप भी है। *इंटरनेट की वजहसे पैरसी,बैंकिंग् फ्राड,हैकिंग आदी बड रहे है। *मूक्त वेबसाइस्ट की वजह से बच्चे आपना काम भूलकर इसमे डूबे रते है। *बच्चे अनवश्यक जानकारी हासीलकर के अपना समय व्यर्थ कर देते है।

अनुरुपता

१)बसंत की सच्छाई:एकांकी::इम्टरनेट क्रांती:.....।

:-निबंध

२)हैकिंग:अभिषाप::बैंकिंग:.....।

:-वरदान

३)ई-गवर्नेस:पारदर्शी प्रशासन::विडियो कान्फरेन्स:.....।

:-विचार विनिमय

४)कंप्यूटर:संगणकयंत्र::इंटरनेट:.....।

:-अंतरजाल

५)आई टी:इनफारमेशन टेकनोलजी::आई टी ई एस्:.....।

:-इनफारमेशनल टेकनोलजी एनेबल्ड सर्विसेस

६)फेसबूक:वरदान::बैंकिंग फाड:.....।

:-अभीषाप

जोडकर लिखिए

क	ख
१)इंटरनेट समाज के लिए	अ)बहूत बडा वरदान साबित हुआ है।
२)इंटरनेट व्दारा कोई भी	आ)बिल भरसाकते है।
३)इंटरनेट ने पूरेविश्व को	इ)एक छोटा गांव का रुप दे दिया है ।
४)इंटरनेट की वजह से	ई)पैरसी,हैंकिंग आदी बडरहे है।
५)इंटरनेट से सबको	उ)सचेत रहाना चाहिए।

विलोम शब्द

१)बढना-घटना २)मुमकिन-नामुमकिन ३)दूरुप्योग-सदूप्योग ४)स्तिर-अस्थिर्

५)वरदान-अभिषाप ६)उपयुक्त-अनुपयुक्त

अन्य वचन

१)पैसा-पैसे २)परदा-परदे ३)कमरा-कमरे ४)दायरा-दायरे ५)खबर-बेखबर

६)किताब-किताबें ७)जगह-जगहें ८)कोशिश-कोशिशे ९)लिंदगी-जिंदगियां

१०)जानकारी-जानकारियां ११)चिट्टी-चिट्टियां १२)जीवनशैली-जीवनशैलियां

१३)युग-युग १४)दोस्त-दोस्त १५)कंप्युटर-कंप्युटर १६)रिस्तेदार-रिस्तेदार

कन्नड में अनुवाद कीजिए

१)इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महात्वपौर्ण अंग बनगया है।

:-ಅಂತರ್ಜಾಲ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನ ಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

२)इंटरनेट व्दारा घर बैटे-बैटे खरिदारी करसकते है।

:-ಅಂರ್ಜಾಲದ ಸಹಾಯದಿಂದ ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೆ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ವ್ಯವಹಾರ ಮಾದಬಹುದು.

३)इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी को मिटा सकते है।

:-ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಸಹಾಯದಿಂದ ನೀರುದ್ಯೊಗವನ್ನು ಹೊಗಲಾಡಿಸಬಹುದು.

विराम चिन्ह

१)अल्प विराम (,)

२)अर्ध विराम (;)

३)पूर्ण विराम (।)

४)प्रश्नवाचक चिन्ह (?)

५)भावसूचक/विस्मयाधिबोधक (!)

६)योजक चिन्ह (-)

७)उद्दरण चिन्ह (' ' " ")

८)विवरण चिन्ह (:-) (:)

९)कोष्टक चिन्ह ( )

पाठ ९- ईमानदारों के सम्मेलन में

शब्दार्थ

१)कतई-कभी-भी-ಯಾವಾಗಲೂ २)इमानदार-प्रामाणिक-ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ३)भ्रम-कल्पना-ಭ್ರಮೆ

४)दर्जा-श्रेणी-ಶ್ರೇಣಿ ५)किराया-भत्ता,भाडा-ಭತ್ಯೆ ६)आवास-रहने का स्थान-ಉಳಿದುಕೊಳ್ಳಲು

७)उदियमान-प्रगतिशिल-ಉದಯೊನ್ಮ ೮)हलफिया-कसम-ಆಣೆ,ಪ್ರಮಾಣ ९)बेइमान-बदनियत-

ಅಪ್ರಾಂಅಣಿಕತೆ १०)माली-फुल माला बनानेवाला-ಹುವು ಮಾರುವವ ११)तकलिफ-परेशानी-ಕಷ

,ತೊಂದರೆ १२)शानदार-भव्य,उत्तम-भव्य,ಉತ್ತಮ १३)डेलिगेट-प्रतिनिध-ಪ್ರತಿನಿಧಿ

१४)जलसा-समारोह,उत्सव-ಸಮಾರಂಭ १५)बेहिचक-बिना संकोचके-ಸಂಕೊಚವಿಲ್ಲದೆ १६)गनिमत-खुशि

की बात-ಸಂತೋಷದಾಯಕ १७)ब्रीफ केस-छोटा सुटकेस-ಚಿಕ್ಕ ಸುಟಕೆಸ್ १८)इतमिनान-

समाधान-ಆರಾಮವಾಗ १९)हरारत-हल्का बुखार-ಸ್ವಲ್ಪ ಜೊರ २०)सिरहाना-तकिया-ತೆಲೆ ದಿಂಬು

एक अंक के प्रश्न

१)"इमानदारों के सम्मेलन में" इस कहानि के लेखक कौन है?

उत्तर:-"ईमानदारों के सम्मेलन में" इस कहानी के लेखक श्री हरिशंकर परसाई जी है।

२)"ईमानदारों के सम्मेलन में" इस पाठ मे लेखक किनका पर्दा पाश किया है?

उत्तर:-"ईमानदारों के सम्मेलन में" इस पाठ में लेखक बेईमानी का पर्दा पार्श किया है।

३)लेखक दुसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?

उत्तर:-क्यों कि लेखक १५० रुपयें बचाना चाहते थे/ (दुसरे दर्जे में जाकर पहले दर्जे का किराया

लेना चाहते थे)। /(पैसे बचाने के लिए) ।

४)लेखक की चप्पलें किसने पेहनी थी।

उत्तर:-लेखक की चप्पलें ईमानदार डेलिगेट(प्रतिनिधि)ने पेहनी थी।

५)स्वागत समिति के मंत्री किसे डांटने लगे?

उत्तर:-स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डांटने लगे।

६)लेखक पेहनने के कपडे कहां दबाकर सोये?

उत्तर:-लेखक पेहनने के कपडे सिरहाने(सिर के निचे)दबाकर सोये।

७)लेखक पेहनने के कपडे सिरहाने क्यों दबाकर सोये?

उत्तर:-क्यों कि सभी चीजें चोरी हो गयी थी इसलिए लेखक पेहनने के कपडे सिरहाने दबाकर सोये।

८)लेखक को कहां टहराय गया?

उत्तर:-लेखक को होटल के कमरे में टहराया गया।

९)ब्रिफकेस में क्या था?

उत्तर:-ब्रिफकेस में कागजाद थे।

१०)तीसरे दिन लेखकक् के कमरे से क्या गायब था?

उत्तर:-तीसरे दीन लेखक के कमरे से कम्बल गायब था।

११)लेखक ने धूप का चस्मा कहां रखा था?

उत्तर:-लेखक ने धूप का चस्मा टेबुल पर रखा था।

१२)लेखक को स्तेशन पर माली की याद क्यों आयी?

उत्तर:-क्यों कि फुल मालाएं बेचकर पैसा कमाना चाहते थे,इस लिए लेखक को स्तेशन पर माली की याद आयी।

१३)कार्यकर्ताओं के अनुसार देश के प्रसिद्द ईमानदार कौन है?

उत्तर:-कार्यकर्ताओं के अनुसार देश के प्रसिद्द ईमानदार लेखक(हरिशंकर परसाई) है।

१४)सम्मेलन में लेखक के भाग लेनेसे किन-किन को प्रेरणा मिलसक्ती थी?

उत्तर:-सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदार और उदियमान ईमानदारों को प्रेरणा मिलसकती थी।

१५)लेखक का चस्मा कौन पेहना हुआ था?

उत्तर:-लेखक का चस्मा एक सज्जन ने पेहना हुआ था।

१६)लेखक को सम्मेलन में क्यों आमंत्रीत किया गया था?

उत्तर:-सम्मेलन जा उद्घाटन करने के लिए अथवा उनके आने से ईमानदार और उदियमान ईमानदारों को प्रेरणा मिलसकती थी अथवा वे देश के प्रेसिद्द ईमानदार थे इस लिए उन्हे सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था।

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)लेखक को भेजेगये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा हुआ था?

उत्तर:-*हम लोग इस शहर में ईमानदारों का सम्मेलन आयोजन कर रहें है। *आप देश के

प्रसिद्द ईमानदार है।

*हम चाहते है की आप इस स्म्मेलन का उद्घाटन करे। *हम आप को आने जाने का पेहले

दर्जे का किराया देंगे।

*आप के आने से ईमानदार और उदियमान ईमानदारों को प्रेरणा मिलेगी।

२)मुख्य अतिथी की बेईमानी कहां दिखायी देती है?

उत्तर:-*दुसरे दर्जे में जाकर पेहले दर्जे का किराया लेकर १५० रुपएं बचाना चहते थे।

*स्तेशन पर जब उन्हे १० फुल मालाएं पेहनाई गयी तब उन्हें बेचकर पैसा बचाना चाहते थे।

इस तरह लेखक की बेईमानी को देख सकते है।

३)चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने क्या सुझाव दिया?

उत्तर:-*चप्पलें एक जगह पर नहीं छोडना चाहिए। *एक चप्पल इधर छोडा तो दुसरा चप्पल

दस फिट दूर छिडना

चाहिए। *तब चप्पलें चोरी नहीं होगी, मैने ऎसा ही किया था।

४)सम्मेलन में लेखक को कौन-कौन से अनिभव हुए?

उत्तर:-*सम्मेलन का उद्घाटन शानदार हुआ। *पेहले ही दिन लेखक की चप्पलें चोरी

होगयी। *दुसरे दिन उनका

धुपका चस्मा गायब था। *तिसरे दिन उनके कमरे से कम्बल गायब था। *अंत मे उनके कमरे

का ताला तक

चुरालिया गया था। *इससे लेखक को बहुत परेशानी हो गयी थी।

अनुरुपता

१)कश्मीरी सेब:कहानी::ईमानदारों के सम्मेलन में:.....।

:-व्यंग्य रचना

२)गिल्लू:महादेवी वर्मा::ईमानदारों के सम्मेलन में:.....।

:-हरिशंकर परसाई

३)बसंत की सच्चाई:मानविय दया की प्रेरणा::ईमानदारों के सम्मेलन में:.....।

:-बेईमानी की परदा पाश

४)पेहला दिन:चप्पलें गायब थी::दुसरे दिन:.....।

:-चादर और चस्मा

५)तीसरे दिन:कम्बल गायब थी::चौथे दिन:.....।

:-ताला

जोडकर लिखिए

क **ख**

१)ईमानदारों के स्म्मेलन में अ)व्यंग्य रचना।

२)ईमानदारों के सम्मेलन में आ)हरिशंकर परसाई।

३)सम्मेलन का उद्घाटन इ)शनदार हुआ।

४)दुसरे दर्जे में जाकर ई)पेहले दर्जे का किराया लेना चाहते थे।

५)लेखक की चप्पलें उ)ईमानदार डेलिगेट ने पेहनि थी।

६)धुप का चस्मा ऊ)टेबुल पर रखा था।

७)ईमानदारों के सम्मेलन के मुख्य अतिथी ए)लेखक/हरिशंकर परसाई

विलोम रुप

१)आगमन-निर्गमन २)रात-दिन ३)जवाब-सवाल ४)बेचना-खरिदना ५)सज्जन-दुर्जन

६)शहर-गांव ७)ईमान-बेईमान

अन्य वचन रुप

१)कपडा-कपडे २)चादर-चादरे ३)बात-बातें ४)डिब्बा-डिब्बे ५)चीज-चीजें ६)माला-मालाएं

प्रेरणार्थक क्रिया रुप

क्रियापद प्रथम प्रेरणार्थक व्दितिय प्रेरणार्थक

१)ठहरना -ठहराना -ठहरवाना

२)धोना -धुलाना -धुलवाना

३)देखना -दिखाना -दिखवाना

४)लौटना -लौटाना -लौटवाना

५)उतरना -उतराना -उतरवाना

६)पहनना -पहनाना -पहनवाना

संधि विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए

संधिशब्द विच्छेद संधि का नाम

१)स्वागत -सु+आगत -यण संधि

२)सहानुभूती -सह+आनुभूती -स दि संधि

३)परोपकार -पर+उपकार -गुण संधि

४)सदैव -सदा+एव -वृद्दिसंधि

५)सज्जन -सच्+जन -व्यंजन संधि

६)निश्चिंत -नि:+चिंत -विसर्ग संधि

कन्नड में अनुवाद कीजिए

१)स्टेशन पर मेरा खुब स्वागत हुआ।

:-ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಭವ್ಯವಾಗಿ(ವಿಜೃಂಭಣೆಯಿಂದ) ಸ್ವಾಗತಿಸಲಾಯಿತು.

२)देखिए,चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए।

:-ನೊಡಿ,ಪಾದರಕ್ಷೆಗಳನ್ನು ಒಂದು ಕಡೆ ಬಿಡಬಾರದು

३)हम आपको आने जाने का पेहले दर्जे का किराया देंगे।

:-ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದು ಹೊಗಲು ಪ್ರಥಮ ಶ್ರೆಣಿಯ ಭತ್ಯೆ(ಭಾಡಿಗೆ)ಕೊಡುತ್ತೆವೆ.

४)अब,मै बचाहूं।अगर रुका तो मैं ही चुरालिया जाऊंगा।

:-ಇಗ ನಾನು,ಉಳದಿದ್ದೆನೆ.ಇನ್ನು ನಾನು ನಿಂತರೆ ನನ್ನನ್ನೆ ಕಳುವುಮಾಡಿಬಿಟ್ಟಾರು.

पट १०- दुनिया में पहला मकान

शब्दार्थ

१)पषु-प्राणी-ಪ್ರಾಣಿ २)गुफा-कंदहर-ಗುಹೆ ३)मकान-घर-ಮನೆ ४)जंगल-वन-ಕಾಡು/ಅರಣ್ಯ

५)गोला-गोलाकार ,वृत्त-ವೃತ್ತಾಕಾರ ६)सांप-सर्प,भूजंग-ಹಾಂವು ७)पतली-दुबली-ತೆಳ್ಳನೆಯ

८)पंजर-हड्डियों का ढांचा- ಪಂಜರ,ಮೊಳೆ ९)रत्ती-थोडा-ಸ್ವಲ್ಪವು १०)हड्डी-अस्थी-ಮೊಳೆ

११)छप्पर-छत-ಗುಡಿಸಲು.ಮಾಳಿಗೆ १२)तालाब-सरोवसर-ಕೆರೆ/ಸರೊವರ १३)किस्म-प्रकार-ವಿಧ/

तरह १४)पट्टियां-तख्त-ಗೆರೆಗಳು/ಎಳೆಗಳು १५)पत्तियां-पत्ता-ಎಲೆಗಳು

१६)तरिका-रीति-ಪ್ರಕಾರ १७)मजबूत-दृढ-

एक अंक के प्रश्न

१)सिंगफो आदीवासी कहां रहते थे?

उत्तर:-सिंगफो आदीवासी पूर्वोत्तर भारत की गुफावों में रहते थे।

२)सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सीखाया?

उत्तर:-सबसे पहले आदमी को मकान बनाना पशुओं(प्राणी)ने सीखाया।

३)मकान के बारे में पूछ-ताछ करने दोनो दोस्त कहां चल पडे?

उत्तर:-मकान के बारे में पूछ-ताछ करने दोनो दोस्त जंगल की ओर चल पडे।

४)दोनो दोस्त जंगल की ओर क्यों चल पडे?

उत्तर:-दोनो दोस्त जंगल की ओर मकान के बारे में पूछ-ताछ करने चल पडे।

५)दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई?

उत्तर:-दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई।

६)दोस्तों ने क्या-क्या तय किया?

उत्तर:-दोस्तों ने मकान बनाना तय किया।

७)हाथी से उत्तर पाकर दोस्तों ने किससे मिले?

उत्तर:-हथी से उत्तर पकर दोस्तों ने सांप से मिले।

८)सब जानवरों की बाते सुनकर दोस्तों ने क्या किया?

उत्तर:-सब जानवरों की बाते सुनकर दोस्तों ने मकान बनाया।

९)मछली कहां तैर रही थी?

उत्तर:-मछली तालाब में तैर रही थी।

१०)भैंस क्यों रो रही थी?

उत्तर:-क्यों की उसका भैंसा मरगया था।

११)मानव ने चींटियों से क्या सीखा हैं?

उत्तर:-मानव ने चींटियों से गिरकर उटने का साहस सीखा हैं।

१२)मानव ने अपनी भाषा को कैसे समृद्द बनाया है?

उत्तर:-मानव ने अपनी भाषा को पशु-पक्षियों की ध्वनियों का अनुसरण करके समृद्द बनाया है।

१४)मानव ने मूर्गी से क्या सीखा है?

उत्तर:-मानव ने मूर्गी से जल्दी उठना सीखा है।

१५)दोस्तों का नाम क्या था?

उत्तर:-दोस्तों का नाम किंचा लालिदाम और किंद्रू लालीम था।

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया?

उत्तर:-*मछली ने कहा-"आप जरा मेरी पीठ की पट्टियां ध्यान से देखो। *फिर पेडो से बहुत सि

पत्तियां तोड लो। *इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो जैसे मेरे पीठ पर है।

२)भैंस केपंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली? उत्तर:-*जिसतरह हाड्डीयां पडी है। *उसी तरह

लकडी के चार मोटे गोले जमीन में गाडकर। *उनपर पतली और लंबी लकडियों सेछप्पर का पंजर बना लेने की जानाकारी मिली।

अनुरुपता

१)गिल्लु:रेखाचित्र::दुनिया में पहला मकान:.....।

:-लेख

२)समय की पहचान:सियाराम शरणगुप्त:दुनिनिया में पहला मकान:.....।

:-डा.विजया गुप्ता

३)रोबोनिल:रोबोटिक्स कारपोरेशन::सिंगफो आदीवासी:.....।

:-पूर्वोत्तर भारत

४)गिल्लु:झुले में::मछली:.....।

:-तालाब में

५)हाथी:जंगल जानवर::भैंस:.....।

:-पालतु जानावर

६)मछली:पानी::सांप:.....।

:-बील/वल्मिक/बंबिटा

७)मछली:तैरना::सांप:.....।

:-रेंगना

८)हाथी:सूंड::भैंस:.....।

:-सिंग

जोडकर लिखिए

क	ख
१)दुनिया में पहला मकान	अ)लेख/डा.विजया गुप्ता।
२)आदिवासी	आ)पूर्वोत्तर भारत के निवासी हैं।
३)सबसे पहले मकान	इ)पशुओं ने बनाना सीखाया।
४)पुराने जमाने में आदमी	ई)गुफाओ मे रहते थे।
५)तालाब	उ)मछली।
६)सिंगफो	ऊ)आदिवासी।

अन्य वचन

१)कहानी-कहानियां २)मछली-मछलियां ३)लडकी-लडकियां ४)पट्टी-पट्टियां ५)पत्ती-पत्तियां

६)हड्डी-हड्डियां ७)गुफा-गुफाएं ८)लोग-लोग ९)पेड-पेड १०)घर-घर

अन्य लिंग शब्द

१)आदमी-औरत २)बहन-भाई ३)हाथी-हथनी ४)शेर-शेरनी ५)मोर-मोरनी ६)भैंस-भैंसा

विलोम शब्द

१)बहुत-कम/थोडा २)मजबूत-कमजोर ३)दिन-रात ४)लंबी-छोटी ५)नीचे-उपर ६)पास-दूर

७)मुश्किल-आसान ८)दोस्त-दुश्मन ९)आगे-पिछे १०)काटना-जोडना

प्रेरणार्थक क्रिया रुप

क्रियापद	प्रथमप्रेरणार्थक	व्दितीयप्रेरणार्थक
१)बनना	बनाना	बनवाना
२)गिरना	गिराना	गिरवाना
३)लगना	लगाना	लगवाना
४)सिखना	सिखाना	सिखवाना
५)करना	कराना	करवाना

कन्नड मे अनुवाद कीजिए

१)भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया।

:-ಎಮ್ಮೆಯು ಗೆಳೆಯರಿಗೆ ಪಂಜರ ತೊರಿಸಿತು.

२)सांप ने कहा,आगे की बात मैं नहीं जानता।

:-ಮುಂದಿನ ಮಾತು ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ ಎಂದು,ಹಾಂವು ಹೆಳಿತು.

३)हाथी बोला,"इसमे क्या कठिनाई है"।

:-ಆನೆ ಹೆಳಿತು,ಇದರಲ್ಲಿ ಏನು ಕಷ್ಟವಿದೆ ಎಂದು.

४)तालाब में एक बहुत बडि मछली तैर रही थी।

:-ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡದಾದ ಮೀನು ಇಸುತ್ತಿತ್ತು.

पाठ ११- समय की पहचान

शब्दार्थ

१)उद्योगी-कामकरनेवाला-ಕೆಲಸಗಾರ,ಉದ್ಯೊಗಿ २)सुसमय-अच्छा समय-ಒಳ್ಳೆಯ ಸಮಯ

३)नष्ट-व्यर्थ,बरबाद- ಹಾಳುಮಾಡು ४)सौख्य-सुख-ಸುಖ ५)आलस-उत्सह हिनता-ಆಲಸ್ಯ

६)बहाना-उपाय-ಉಪಾಯ ७)चक्रवर्ती-राजा- ಅರಸ ८)द्रव्य-धन/संपत्ती-ಸಂಪತ್ತು,ಹಣ

९)समता-समानता-ಸಮಾನತೆ १०)चिंता-व्यथा/विचलन-ಚಿಂತೆ,ವ್ಯೆಥೆ ११)ईश-भगवान-ಭಗವಂತ

,ದೇವರು १२)धन-पैसा,खजाना-ಹಣ १३)अनुपम-अनोखा-ವಿಶಿಷ್ಟ १४)तुच्छ-छोटा,अल्प-ಸಣ್ಣ

१५)पल-क्षण-ಕ್ಷಣ १६)चित्त-मन-ಮನ: १७)विश्वास-भरोसा-ನಂಬಿಕೆ १८)सर्वथा-सदा,हमेशा-ಯಾವಾಗಲು

१९)पछताना-अफसोस-ಪಶ್ಚಾತಾಪ २०)खोकर-गंवाकर-ಕಳೆದು

एक अंक के प्रश्न

१)कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नहीं मिलता?

उत्तर:- कवि के अनुसार मनुष्य को सुख समय को खोने के बाद नहीं मिलता।

२)बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है?

उत्तर:-बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

३)समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है?

उत्तर:-समय ईश(भगवान) का दिया हुआ अनुपम धन है।

४)कवि किसपर विश्वास करने को कहते है?

उत्तर:-कवि आत्मा पर विश्वास करने को कहते है।

५)समय के खोनेसे क्या होता है?

उत्तर:-समय के खोनेसे हमेशा पछताना पडता है।

६)किनके लिए हर समय सुसमय है?

उत्तर:-उद्योगी को हर समय सुसमय लगता है।

७)समय को नष्ट करने से क्या होता है?

उत्तर:-समय को नष्ट करने से सुख नहीं मिलता है।

८)कवि के अनुसार जीवन में किसे खोकर पा नहीं सकते?

उत्तर:-कवि के अनुसार समय को खोकर वापस पा नहीं सकते।

९)समय की समानता कौन नहीं कर सकता हैं?

उत्तर:-समय की समानता कोई द्रव्य(धन)भी नहीं कर सकता।

१०)हमें जीवन में किस की चिंता करना हैं?

उत्तर:-हमे जीवन में समय की चिंता करना हैं।

११)कवि के अनुसार जीवन किससे बना है?

उत्तर:-कवि के अनुसार जीवन पल-पल(समय)से बना है?

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?

उत्तर:-*समय अधिक महत्तपूर्ण तथा उपयोगी है। *समय को जो अपना सच्चा साथी बना लेगा वह अपने काम में सफल होगा। *सही समय पर सही काम करने वाला अपना जीवन सार्थक बना लेता है।

२)मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ती कब संभव है?

उत्तर:-*जो परिश्रमी होते है वो अपना सुसमय नष्ट नहीं करते। *जो समय को नष्ट करता है,उसको समय ही नष्ट कर देता है। *इसलिए सहि समय का उप्योग करनेवाला इंसान अपना जीवन सुखमय बना लेता है।

अनुरुपता

१)सूरश्याम:सूरदास::समय की पहचान:.....।

:-सियारमशरण गुप्त

२)तुलसी के दोहे:दोहा::समय की पहचान:.....।

:- कविता

३)आलस:परिश्रम::नष्ट:.....।

:-लाभ

. ४)धन:निर्धन::दिया:.....।

:-लिया

५)जीवन:मरण::खोना:.....।

:-पाना

जोडकर लिखिए

क	ख
१)उद्योगी	अ)सुसमय
२)आलस	आ)बहाना
३)जीवन	इ)पल-पल
४)समय	ई)अनुपम धन
५)द्रव्य	उ)समता

पाठ १२- रोबोट

शब्दार्थ

१)खतरनाक-भयानक-ಭಯಾನಕ २)नाती-संबंधि-ಸಂಬಧಿಕರು ३)पोत-पुत्र का पुत्र-ಮೊಮ್ಮಕ್ಕಳು

४)रौनक-प्रसन्नता,चमकधमक-ಪ್ರಸನ್ನತೆ ५)चहल-पहल-भागदौड-ನಡೆದಾಟ,ಓಡಾಟ

६)तहत-अंतर्गत-ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ७)दफ्तर-कार्यालय-ಕಾರ್ಯಾಲಯ ८)वैक्युम क्लिनर-निवात मार्जक

-ನೆಲ ವರೆಸುವ ವಸ್ತು ९)फर्श-जमीन- ನೆಲ १०)कंप्युटरविद् कृत्रिम बुद्दि-ಕೃತ್ರಿಮ ಬುದ್ದಿ

११)समावेश-मिलान-ಕುಡಿಸು १२)एतराज-आपत्ती-ತೊಂದರೆ १३)नब्ज-नाडी-नर नाडि

१४)कार्मीक-कर्मचारी-ನೌಕರ १५)मुस्तैदी-तत्परता-ನಿಷ್ಟೆಯಿಂದ

१६)टहलाना- घुमाना -ವಿಹಾರ,ತಿರುಗಾಡಲು १७)मुलाकात-मिलना-ಭೆಟಿಯಾಗು

१८)भाजाना-अच्छा लगना-ಇಷ್ಟವಾಗು १९)नुकसान-नष्ट-ನಷ್ಟ २०)खिलाप-विरोध-ವಿರುದ್ಧ

२१)मंत्रणा-विचार-विमर्श-ವಿಚಾರ,ವಿಮರ್ಶೆ २२)अनुबंध-करार.समझौता-ಒಂಡಂಬಡಿಕೆ

२३)शर्त-प्रतिज्ञा,पाबंदी-स्थिति २४)हडताल-विरोध,बंधकरना-ಬಂದಮಾಡುವುದು

२५)धात्विक-धतुसे निर्मित निर्जीव-ನಿಜೀವ २६)परिपंथवाली-तारोंसे सजी-ತಂತಿಗಳಿಂದ ಕೂಡಿದ

२७)खोपडी-दिमाग,मश्तिष्क-ಮೆದುಳು २८)यकायक-अचानक,सहसा-ಒಮ್ಮಿಂದೊಮ್ಮೆಲೆ

२९)नीली रोशनी-प्रकाश पडना-ನೀಲಿ ಬಣ್ಣದ ಬೆಳಕು ३०)आह्वान-आमंत्रण-ಆಮಂತ್ರಣ

३१)हलचल-घबराहट-ಹೆದರುವಿಕೆ ३२)गुजारिश-सिफारिश-ಸಿಫಾರಸ್ಸು

* एक अंक के प्रश्न *

१)वर्षो से सक्सेना परिवार में कौन काम करता था?

उत्तर:-वर्षो से सक्सेना परिवार में साधोराम काम करता था।

२)धीरज सक्सेना किस कार्याल में जा पहुंचे?

उत्तर:-धीरज सक्सेना रोबोटिक्स करपोरेशन जा पहुंचे।

३)एक रोबोट वैक्युम क्लीनरसे क्या सफ कर रहा था?

उत्तर:-एक रोबोट वैक्युम क्लिनर से फर्श(जमीन)साफ कर रहा था।

४)धीरज सक्सेना के घर में काम करनेवाने रोबोट का नाम क्या था?

उत्तर:-धीरज सक्सेना के घर में काम करनेवाले रोबोट का नाम रोबोनील था।

५)रोबोनील की मुलाकात किससे हुई?

उत्तर:-रोबोनील की मुलाखात रोबोदीप से हुई।

६)शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम क्या था?

उत्तर:-शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम झबरु था।

७)रोबोनील और रोबोदीप किससे मिलने गये?

उत्तर:-रोबोनील और रोबोदीप दोनो रोबोजीत से मिलने गये।

८)वैज्ञानिक लेखक का नाम क्या था?

उत्तर:-वैज्ञानिक लेखक का नाम आईसाक आसिमोवा था।

९)सधोराम को क्यों अस्पताल में भर्ती कराया गया था?

उत्तर:-सधोराम को बस की दुर्घटना में खतरनाक वोट लग गई थी इसलिए अस्पताल

में भर्ती कराया गया था।

१०)सक्सेना परिवार का मुखिया कौन था?

उत्तर:-सक्सेना परिवार का मुखिया धीरज सक्सेना था।

११)सक्सेना परिवार के सदस्यों ने राहात की सांस क्यों ली?

उत्तर:-सक्सेना परिवार के सदस्यों ने रोबोनील के आ जाने से राहत की सांस ली।

१२)सक्सेना परिवार के कुत्ते का नाम क्या था?

उत्तर:-सक्सेना परिवार के कुत्ते का नाम शेरु था।

* दो-तिन अंक के प्रश्न *

१)धीरज सक्सेना को बुद्दिमान रोबोट की जरुरत क्यों थी? अथवा

रोबोनील क्या-क्या काम करता था?

उत्तर:-*रोबोनील सुबह नास्ता बनाता था। *मेहमानो के स्वागत में दरवाजा खोलता था।

*घरके छोटे बवों को कहानिया सुनाता था। *बच्छों का होमवर्क कराता था।

*धीरज सक्सेना का वर्डप्रोसेसर का काम करता था। *शेरु को घुमाने ले जाता था।

२)रोबोनील ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की?

उत्तर:-*रोबोटिक संघ का नियम है कि कोई रोबोट भी इन्सान का नुकसान न पहुंचाए

और रोबोट के कारण किसी भी इन्सान को अपनी नौकरी छोडने की आबत न आए।

३)कहानी को टाईप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ?

उत्तर:-कहानी को ताईप करते समय रोबोनिल की परिपंथवाली खोपडी में यह सुझा

कि मैं भी क्यों न रोबोटिक कंपनी के विरोध में हडताल करके साघोराम को न्याय

दिला सकु और उसने ऐसे ही किया।

४)रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई?

उत्तर:-क्यों कि रोबोनिल ने रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के वोरोध

में हडताल आरंभ करदिया था। *और सभी रोबोट अपना अपना काम छोडकर इस

हडताल में भाग ले रहे थे। *इसलिए कंपनियों के मालिकों में हलचल मच गई थी।

अनुरुपता

१)इंटरनेट क्रांती:निबंध::रोबोट:.....।

:-कहनी

२)अभिनव मनुष्य:रामधारिसिंह दिनकर::रोबोट:.....।

:-डा.प्रदीप मुख्योपाध्याय 'आलोक'

३)मुखिया:धीरज सक्सेना::सेवक:.....।

:-साधोराम

४)शेरु को घुमाने:रोबोनिल::झबरु को घुमाने:.....।

:-रोबोदीप

जोडकर लिखिए

क **ख**

१) बुद्दिमान रोबोट अ)रोबोनिल।

२)दोनों के बीच कुछ आ)गुप्त मंत्रणा हुई॥

३)सधोराम इ)सेवक/सक्सेना परिवार का नौकर ।

४)परिवार का मुखिया ई)धिरज सक्सेना।

अन्य वचन

१)बेटा-बेटें २)कुत्ता-कुत्ते ३)पोता-पोते ४)नाती-नातियां ५)छुट्टि-छुट्टियां ६)बेटी-बेटियां

७)कंपनी-कंपनियां ८)नौकरी-नौकरियां

मुहावरे का अर्थ

मुहावरे मुहावरे का अर्थ

१)टस से मस न होना - अटल रहना/विचलित न होना

२)फुला न समाना - बहुत खुश होना

३)आंखे चुराना -अपने आपको छिपाना

४)आंखे दिखाना - डराना,धमकाना

५)अक्लका अंधा -मूर्ख

६)आस्तिन का सांप -कपटि मीत्र

७)कान भरना -चुगली करना

८)अंगुठा दिखाना -सफ इनकार करना

९)नौ दो ग्यारह होना -इधर-उधर भागजाना

१०)आंख खुलना -होश आना

११)कान खडे होना -सावधान होना,सतर्क होना

१२)ईद का चांद होना -बहुत दिनो के बाद दिखाई देना

१३)हवा से बाते करना -बहुत तेज दौडना

१४)बात का धनी -बात का पक्का/अपनि बात पर अटल रहना

१५)राहत की सांस लेना -चैन की सांसलेना/तस्अल्ली करना

१६)पेट पर लात मारना -नौकरी या सहुलियत छिन लेना

१७)आंच आना -हानी पहुंचाना

१८)हलचल मचजाना -शोर मचाना

१९)हथों के तोते उडाना -आश्चर्य चकित हिना

पाठ १३- महिला की साहसगाथा

शब्दार्थ

१)चोटी-शिखर-ಶಿಖರ २)संतान-औलाद-ಮಕ್ಕಳು ३)पहाड-पर्वत,गिरि-ಬೆಟ್ಟ,ಗುಡ್ಡ

४)जज्बा-हौसला-ಧೈರ್ ५)प्रशिक्षण-शिक्षा-ತರಬೇತಿ ६)पैदल-पावसे चलना-ಕಾಲನಡಿಗೆ

७)सिलाई-सीने का काम-ಹೊಲಿಗೆ ८)परिश्रम-मेहनत,काम-ಕೆಲಸ ९)जुटाना-जमा करना -ಕೂಡಿಸು १०)शिक्षा-शिक्षण-ಕಲಿಕೆ,ಶಿಕ್ಷಣ ११)लक्ष्य-उद्देश-ಗುರಿ १२)संकल्प-प्रतिक्षा,द्रूढनिश्चय-ಪ್ರತಿಜ್ಞೆ १३)झंडा-पताका,ध्वज-ಧ್ವಜ १४)इतिव्रूत्तांत-इतिहास-ಇತಿಹಾಸ १५)साउथ कोल-उत्तरध्रूव-ಉತ್ತರ ಧ್ರುವ १६)हल्का-थोडा-स्वल्प,ಹಗುರ १७)तंबू-शामियान-ಬಿಡಾರ,ಗುಡಿಸಲು १८)कर्मठता-काम करने की शक्ति का भाव-ಕ್ರಿಯಾಶಿಲತೆ १९)आस्वस्थ-भरोसा,विश्वास-ಭರವಸೆ २०)ढलाऊ-कच्चा खनिज-ಕಚ್ಚಾಲೊಹ २१)चट्टान-पत्तरका बहुतबडा खंड-ಶಿಲೆ,ಬಂಡೆ २२)सख्त-कठीन,कठोर-ಕಠಿಣ २३)भुरभुरे-नाजिक-ಅತಿ ಸುಕ್ಷ್ಮ २४)फावडा-कुदाल-ಸಲಿಕೆ २५)नायलान-रेशम कि तरह का क्रुत्रीम धागा-ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ ಹಗ್ಗ २६)आपूर्ती-कम,कमी-ಕೊರತೆ,ಕಡಿಮೆ २७)झोंका-हवा का तिव्र बहाव -ಗಾಳಿಯವೇಗ २८)ढलान-उतार,अवरोह-ಇಳಿಜಾರು २९)ताज-मुकुट-ಮುಕುಟ ३०)स्थिर-ध्रूड,पक्का-ಭದ್ರ,ಪಕ್ಕಾ ३१)रज्जू नेता-रस्सि पकडनेवाला-ಹಗ್ಗದ ಸಹಾಯಕ ३२)आरोहन-चढना-ಏರುವುದು

एक अंक के प्रश्न

१)बिछेंद्री पाल को कौनसा गौरव प्राप्त हुआ है?

उत्तर:-बिछेंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढनेवाली पहलि भारतिय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

२)बिछेंद्री के माता पिता का नाम क्या था?

उत्तर:-बिछेंद्री की माता हेमारानी देवी और पिता किशनपालसिंह थे।

३)बिछेंद्री ने क्या निश्चय किया?

उत्तर:-बिछेंद्री ने पहाड पर चढना निश्चय किया।

४)बिछेंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढाई की?

उत्तर:- बिछेंद्रि ने गंगोत्री ग्लेशियर पर चढाई की।

५)सन् १९८३ में दिल्ली में कौनसा सम्मेलन हुआ था?

उत्तर:-सन् १९८३ में दिल्ली में हिमाल पर्वतारोहियों का सम्मेलन हुआ था।

६)एव्रेस्ट पर भारत का झंडा पहराते समय बिछेंद्री के सात कौन था?

उत्तर:-एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय बिछेंद्री के सात में अंग दोरजी था।

७)एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली महिला कौन थी?

उत्तर:-एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली महिला जुंके ताबी थी।

८)बिछेंद्री ने एवरेस्ट की चढाई बक पूर्ण की?

उत्तर बिछेंद्री ने एवरेस्ट की चढाई सन् २३ मई १९८४ में पूर्ण की।

९)एवरेस्ट पर चढनेवाले प्रथम पुरुष कौन थे?

उत्तर:-एवरेस्ट पर चढनेवाले प्रथम पुरुष तेनजिंग नोर्गे थे।

१०) मेजर का नाम क्या था?

उत्तर:-मेजेर का नाम कुमार था।

११)बिछेंद्री बचपन में पढाई का खर्च कैसे जुटाती थी?

उत्तर:-बिछेंद्री बचपन में पढाई का खर्च सिलाई का काम करके जुटाती थी।

१२)कर्नल का नाम क्या था?

उत्तर:-कर्नल का नाम खुल्लर था।

१३)बिछेंद्री ने थैले से कौनसा चित्र निकाला?

उत्तर:-बिछेंद्री ने थैलेसे दुर्गामाता का चित्र निकाला।

द-तीन अंक के प्रश्न

१)"महिला की साहसगाथा" पाठ से क्या सीख मिलति है?

उत्तर:-*इस पाठ से बच्छे साहस गुण,द्रूढ निश्चय,अथक परिश्रम,मुसिबतों का सामना करना इत्यादि गुण सीखते है। *इसके साथ-साथ हिमालय की ऊंची चोटी की ज़नकारी भी प्राप्त करते है। *यह पाठ सिद्द करता है की "मेहनत का फल मिठा होता है"।

२)बिछेंद्री पाल के परिवार का प्रिचय दीजिए?

उत्तर:-*बिछेंद्री पाल का जन्म एक साधारण भारतिय परिवार में हुआ था। *उनके पिता किशनपालसिंह और माता हेमारानी देवी था। *कुल पांच संतानों में से बिछेंद्रीन तीसरी थी। *बिछेंद्री के भाई को पहाडो पर जाना अच्छा लगता था।

३)बिछेंद्री का बचपन कैसे बिता?

उत्तर:-*बिछेंद्री का जन्म भारतिय सधारण परिवार में हुआ था। *उनके कुल पांच संताने थी। *बिछेंद्री को बचपन में रोज पांच किलोमिटर पैदल चलकर स्कूल जाना पडता था। *उसि समय उन्होने सिलाई का काम सीख लिया और अपनी पढई के लिए पैसे जुटाने लगी।

४)बिछेंद्री ने पहाड पर चढने की तैयारी किस प्रकार की?

उत्तार:-*बिछेंद्री को बचपन में ही पहाड पर चढने की इच्छा थी। *उनके भाई को देखकर उन्होने भी तय किया की वह भी पहाड पर चडेगी। *बचपन में स्कूल जने के लिए पांच की.मी चलकर जाना पडता था। *यही उन्हे पर्वतारोहन प्रशिक्षण लेते समय आसान हुआ। *पढाई के साथ-साथ उन्होने कालानाग पर्वत की चढाई की। *सन् १९८२ में गंगोत्री ग्लिशियर तथा रुडगेरो पर्वत की चढाई की। इससे उनमे आत्मविश्वास बढगया और २३ मई १९८४ में एवरेस्ट की चढाई की।

अनुरुपता

१)बसंत की सच्छाई:एकांकी::महिला की साहसगाथा:.....।

:-व्यक्ति परिचय

२)प्रथम हिमालय पर्वतारोही पुरुष:तेनजिंग नोर्गे::प्रथम एवरेस्ट पर्वतारोही महिला:.....।

:-जुंके ताबी

३)किशनपालसिंह:बिछेंद्री के पिता::हेमारानी देवी:.....।

:-बिछेंद्री की माता

४)१९८३:हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन::१९८४:.....।

:-बिछेंद्री ने एवरेस्ट पर चडाई की

५)कर्नल:खुल्लर::मेजर:.....।

:-कुमार

६)कालानाग :पर्वत::गंगोत्री:.....।

:-ग्लेशियर

जोडकर लिखिए

क	ख
१)महिला की साहसगाथा	अ)व्यक्ति परिचय।
२)गंगोत्री ग्लेशियर की चढाई	आ)सन् १९८२।
३)बिछेंद्री अपने साथ लाई थी	इ)दुर्गामां का चित्र और हनुमान चालिसा।
४)भारतिय पर्वतारोहन संघ	ई)स्वर्ण पदक से सम्मान किया।

अन्य लिंग रुप

१)बाप-मां २)बेटा-बेटी ३)पुरुष-स्त्री ४)भाई-बहन ५)श्रीमान-श्रीमती

अन्य वचन रुप

१)चट्टान-चट्टानें २)शीशा-शशे ३)रस्सी-रस्सियां ४)चादर-चादरें ५)चोटी-चोटियां

विलोम रुप

१)आरोहण-अवरोहण २)परिश्रम-आलस ३)चढना-उतरना ४)सामने-पिछे ५)ठंडा-गरम

अनेक शब्द के लिए एक शब्द

१)जो पढालिखा न हो -अनपढ

२)गहां पहुंचा न जा सके -दुर्गम

३)मास में एक बार आनेवाला -मासिक

४)जो कभी न मरे -अमर

५)अच्छे चरित्रवाला -सच्चरित्र

६)जो आंखो के सामने हो -प्रत्यक्ष,सम्मुख

७)जो स्थिर रहे -स्थाई

८)जिसे क्षमा न किया जा सके -अक्ष्यम्य

९)जो वन में घुमता हो -वनचर

१०)जिसका संबंध पश्चिम से हो -पाश्चात्य

११)जो उपकार मानता हो -कृतज्न

कन्नड में अनुवाद करना

१)बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था।

:-ಬಿಛೆಂದ್ರಿಯವರ ಜನನವು ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಾಉಇತು.

२)बिछेंद्री को रोज पैदल चलकर स्कूल जाना पडता था।

:-ಬಿಛೆಂದ್ರಿಯವರು ದಿನಾಲು ನಡೆದುಕೊಂಡೆ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗುತಿತ್ತು.

३)दक्षिण शिखर के उपर हवा की गति बढ गयी।

:-ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯವೇಗವು ಬೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.

४)मुझे लगा की सफला बहुत नजदिक है।

:-ಯಸಸ್ಸು/ಸಫಲತೆ ಬಹಳ ಸಮೀಪವಿದೆ ಎಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತು.

५)मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचनेवाली प्रथम भारतिय महिला थी।

:-ಎವರೆಸ್ಟ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆರಿದ ಪ್ರಥಮ ಭಾರತಿಯ ಮಹಿಳೆ ನಾನಾಗಿದ್ದೆ.

पाठ १४- सूर-श्याम

शब्दार्थ

१)मैया-मां,माता-ಅಮ್ಮ,ತಾಯಿ २)मोहीं-मुझे-ನನಗೆ ३)दाऊ-बडा भाई-ಅಣ್ಣ,ಸಹೊದರ

४)खिजायो-चिढाता है-ಪಿಡಿಸು,ಕಾಡಿಸು,ಸತಾಯಿಸು ५)मोसों-मुझसे-ನನಗೆ

೬)कहत-कहता-ಹೆಳುತ್ತಾನೆ ೭)मोल-ಖರಿದನಾ-ಕೊಂಡು,ಖರಿದಿಸು ೮)लीनी-लिया है-ತಂದಿದ್ದಾರೆ

೯)तोही-तुझे-ನಿನಗೆ ೧೦)जसुमती-यशोदा-ಯಶೊದ ೧೧)जायो-जन्म दिया-ಜನ್ಮನಿಡಿದ್ದಾಳೆ

೧೨)कहौ-कारण-ಕಾರಣ ೧೩)इहि-इसी-ಇದಕ್ಕಾಗಿ ೧೪)रिस-क्रोध-ಕೊಪ,ಸಿಟ್ಟು

೧೫)खेलन-खेलने-ಆಡಲು ೧೬)हौ-केलिए-ಅದಕ್ಕಾಗಿ ೧೭)पुनि-पुनि-बार-बार-ಪದೆ-ಪದೆ ೧೮)को-कौन-ಯಾರು

೧೯)तुमरो-तुमहारा-ನಿನ್ನ ೨೦)तात-पिता-ಅಪ್ಪ,ತಂದೆ ೨೧)गोरा-सफेद-ಬಿಳಿ,ಶ್ವೆತ ೨೨)कत-क्यों-ಯಾಕೆ

೨೩)स्याम-काला,श्याम-ಕಪ್ಪು,ಕರಿದು ೨೪)सरीर-शरीर,देह-ದೇಹ,ಶರಿರ ೨೫)ग्वाल-गोपालक-ದನಕಾಯುವವರು

೨೬)सिखै-सीखाया-ಕಲಿಸಿ ೨೭)देत-है-ದಾನೆ ೨೮)बलवीर-बलराम-ಬಲರಾಮ ೨೯)मोहि-मुझे-ನನಗೆ

೩೦)मारन-मारना-ಬಡೆಯುವದು,ಹೊಡೆಯುವದು ೩೧)दाउही-भाई को-ಅಣ್ಣನಿಗೆ, ೩೨)कबहुं-कभी भी-ಯಾವಾಗಲು

೩೩)न-नहीं-ಇಲ್ಲ ೩೪)खिझै-डांटती है-ಬೆಯುವುದಿಲ್ಲ ೩೫)मोहन-कन्ह,कृष्ण-ಕ್ರೀಷ್ಣ ೩೬)लेखि-देखकर-ನೊಡಿ

೩೭)सुनी-सुनी-सुनकर-ಕೆಳಿ-ಕೆಳಿ ೩೮)रीझै-मोहित होना-ಮೊಹಿತಗೊಳ್ಳು,ಆಕರ್ಶಿಸು ೩೯)सुनहु-सुनो-ಕೆಳು,ಆಲಿಸು

೪೦)बलभद्र-बलराम-ಬಲರಾಮ ೪೧)चबाई-चुगलखोर-ಚಾಡಿಹೆಳುವವ ೪೨)को-से-ಇಂದ ೪೩)धूत-बुरा,दुष्ट

-ಕೆಟ್ಟವ,ದುಷ್ಟ ೪೪)गोधन-गायों का झूंड-ಹಸುಗಳ ಗುಂಪು ೪೫)सौ-कसम-ಆಣೆ,ಪ್ರಮಾಣ ೪೬)हौं-मैं-ನಾನು

೪೭)पूत-पूत्र,बेटा-ಮಗ,ಪುತ್ರ

एक अंक के प्रश्न

१)सूर-श्याम के रचयिता कौन है?

उत्तर:-सूर-श्याम के रचयिता सूरदास जी हैं।

२)कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है?

उत्तर:-कृष्ण की शिकायत बलराम के प्रति है।

३)यशोदा और नंद का रंग कैसा था?

उत्तर:-यशोदा और नंद का रंग गोरा(सफेद) है।

४)चुटकी दे-देकर हसनेवाले कौन है?

उत्तर:-वुटकी दे-देकर हसनेवाले ग्वाल है।

५)यशोदा किसकी कसम खाती है?

उत्तर:-यशोदा गोधन की कसम खाती है।

६)बाल कृष्ण किससे शिकायत करता है?

उत्तर:-बाल कृष्ण यशोदा से शिकायत करता है।

७)बलराम के अनुसार किसे मोल लिया है?

उत्तर:-बलराम के अनुसार कृष्ण को मोल लिया है।

८)बाल कृष्ण का रंग कैसा था?

उत्तर:-बाल कृष्ण का रंग काला था।

९)बलराम किसे चिढा रहा था?

उत्तर:-बलराम कृष्ण को चिढा रहा था।

१०)कृष्ण के अनुसार यशोदा किसे नहीं डांटती?

उत्तर:-कृष्ण के अनुसार यशोदा बलराम को नहीं डांटती।

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)कृष्ण बलराम के सात खेलने क्यों नहीं जाता है?

उत्तर:-*क्यों की बलराम कृष्ण को बहुत चिडाता है। *बलराम कहता है की

यशोदा ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है। *तुम्हें मोल लिया है। *इसी घुसे के कारण बह

खेलने नहीं जाता है।

२)बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है?

उत्तर:-*बलराम कृष्ण से बार-बार पूछता है की तुम्हारे माता-पिता कौन है।

*वह यह भी कहता है कि नंद और यशोदा गोरे है। *लेकिन तिम्हारा शरीर क्यों काला है।

*तुम उनके बेटे नहीं हो कहता है।

३)यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करति है?

उत्तर:-*वह कहति है कि-"हे कृष्ण! सुनो!, *बलराम जन्मसे ही चुगलखोर है।

*बलराम दुष्ट है। *मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूं, मैं ही तुम्हारी माता हूं और

तू मेरा बेटा है।"

४)बाल कृष्ण अपनी माता यशोदा से क्या-क्या शिकायते करता है?

अथवा बलराम क्या-क्या कहकर कृष्ण को चिडाता है?

उत्तर:-*भाई मुझे बहुत चिडाता है। *वह कहता है की कृष्ण को यशोदा जन्म

नहीं दिया है। *मुझे मोल लिया है। *नंद और यशोदा का रंग गोरा है।

*कृष्ण का रंग काला है। *बलराम बर-बार पूछता है कि कृष्ण के माता-पिता कौन है।

५)सूर-श्याम पध्य के आधार पर बलराम का व्यक्तित्व कैसा है? विवरण दिजिए?

उत्तर:-*बलराम यशोदा और नंद का बडा बेटा है। *बलराम का रंग गोरा है।

*वह हमेशा कृष्ण को चिडाता रहता है। *वह जन्मसे ही चुगलखोर और दूष्ट है।

अनुरुपता

१)तुलसी के दोहे:दोहा::सूर-श्याम:.....।

:-पद

२)समय की पहचान:शियाराम शरण गुप्त::सूर-श्याम:.....।

:-सूरदास

३)राम भक्त:तुलसीदास::कृष्ण भक्त:.....।

:-सूरदास

४)तुलसीदास:रामचरित मानस::सूरदास:.....।

:-सूरसागर

५)गिल्लू:प्राणिदया की सीख::सूर-श्याम:.....।

:-बाल लीला की सीख

६)रामभक्ति शाखा:तुलसीदास::कृष्ण भक्ति शाखा:.....।

:-सूरदास

७)यशोदा:गोरा::कृष्ण:.....।

:-काला

८)बलभद्र:बलराम::कान्हा:.....।

:-कृष्ण

जोडकर लिखिए

क	ख
१)सूरदास का जन्म	अ)सन् १५४०।
२)सगुण भक्ति धारा की	आ)कृष्ण भक्ति शाखा।
३)गशोदा	इ)यशोदा।
४)यशोदा और नंद	ई)गोरा रंग/माता पिता।
५)चुटकी दे-देकर हसनेवाले	उ)ग्वाल मित्र ।
६)यशोदा हमेशा	ऊ)कृष्ण को डांटति है।

.

पाठ १५- कर्नाटक संपदा

शब्दार्थ

१)प्रगतिशिल-ಪ್ರಗತಿಶೀಲ,मुंदुवरेद २)आबादी-जनसंख्या-ಜನಸಂಖ್ಯೆ ३)लगभग-करिब-ಸರಿಸುಮಾರು

४)संवारकर-श्रुंगार करना,सजाना-ಸ್ರುಂಗರಿಸು ५)सुषमा-सुंदरता-ಸುಂದರತೆ ६)नयन-आंख-ಕಣ್ಣು

७)मनोहर-मन को हरन करना,आकर्शित करना-ಮನಸನ್ನು ಆಕರ್ಶಿಸು ८)लहराना-तरंगीत होना-ಹರಡು

९)प्रांत-प्रदेश-दिक्कु,दिशे १०)छोर-किनारा,दायारा-ದಡ,ತೀರ ११)सिलिकान-एक धातु का

नाम-ಮರಳು,ಧಾತು १२)प्रौद्योगिकी-तकनिकी-ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ १३)पटल-नक्षा-ನಕಾಶೆ

१४)धातु-खनिज-ಧಾತು,ಖನಿಜ १५)इस्पात-फौलाद-ಉಕ್ಕು १६)चीनी-शक्कर-ಸಕ್ಕರೆ

१७)चंदन-श्रीगंध-ಶ್ರೀಗಂಧ

१८)विपूल-बहूत-ಬಹಳ १९)आगार-भंडार,घर,खजाना-ಮನೆ,ಬೀಡು,ನಾಡು २०)बांद-ಆಣೆಕಟ್ಟು

२१)सींचना-पानीदेना-ನೀರಾವರಿ २२)उर्जा-शिक्त,बिजली-ವಿದ್ಯುತ २३)अनोखी-अद्भूत-ಅದ್ಭುತ

२४)व्हियस्पिरिंग-ಪಿಸುಮಾತಿನ २५)श्रीवृद्दी-बडाना,ज्यादा करना-ಹೆಚ್ಚಿಸು २६)सदाचार-सादापन

-ಸಾದಾಜೀವನ ಶೈಲಿ २७)आवली-पंक्ति,कतार-ಸಾಲು २८)अनमोल-अमूल्य-ಅಮುಲ್ಯ,ಬೆಲೆ ಕಟ್ಟಲಾಗದ

एक अंक के प्रश्न

१)पश्चिमी घाट किसे कहते है?

उत्तर:-कर्नाटक के पश्चिमी दिशा में दक्षीण से लेकर उत्तर तक फैली लंबी पर्वतमाला को

पश्चिमी घाट कहते है।

२)कर्नाटक में कौन-कौन से जलप्रपात है?

उत्तर:-कर्नाटक में जोग,अब्बी,सिवनसमुद्र आदि जलप्रपात है।

३)श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर मुर्ती की ऊंचाई कितनी है?

उत्तर:-श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर की मूर्ती की ऊंचाई ५७ फिट् है।

४)किस नगर को सिलिकान सिटी कहते है?

उत्तर:-बेंगलुरु नगर को सिलिकान सिटी कहते है।

५)भद्रावती के दो प्रमूख कार्खानो का नाम लिखिए?

उत्तर:-भद्रावती के दो प्रमूख कार्खानो का नाम है कागज इस्पात आदि।

६)सेंट फिलोमिना चर्च कहां है ?

उत्तर:-सेंट फिलोमिना चर्च मैसुरु नगर में है।

७)विजयपूरु नगर का प्रमूख आकर्षक स्थान कौनसा है?

उत्तर:-विजयपूरु नगर का प्रमूख आकर्षक स्थान गोलगुंबज है।

८)अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है?

उत्तर:-अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिमी दिशा में है।

९)कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौनसी पर्वतमालाएं है?

उत्तर:- कर्नाटक की दक्षिण दिशा मे सह्याद्री और निलगिरि पर्वतमालाएं है।

१०)कर्नाटक को कौन सवारकर सुंदर बनाया है?

उत्तर:-कर्नाटक को प्रकृती माता ने सवांरकर सुंदर बनाया है।

११)कर्नाटक में कौनअसी भाषा बोली जाति है?

उत्तर:-कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाति है।

१२)कर्नाटक की राजधानी कौनसी है?

उत्तर:-कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु है।

१३)कर्नाटक को चंदन का आगार क्यों कहाजाता है?

उत्तर:-क्यों कि कर्नाटक में चंदन के पेढ बहुत निलते है इसलिए कर्नाटक

को चंदन का आगार कहते है।

१४)ज्नानपीठ से अलंकृत कन्नड के प्रथम साहित्यकार कौन थे?

उत्तर:-ज्नानपीठ से अलंकृत कन्नड जे प्रथम साहित्यकार कुवेंपु जी है।

१५)कर्नाटक के क्रांतिकारी समाज सुधारक कौन थे?

उत्तर:-कर्नाटक के क्रांतिकारि समाज सुधारक बसवण्णा जी थे।

*तीन-चार अंक के प्रश्न

* १)कर्नाटक की शिल्पकला का प्रिचय दिजिए?

उत्तर:-*कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। *बादामी,ऐहोले,पट्टदकल्लू में जो

मंदिर है उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्भूतन है। *बेलुरु,हलेबिड्डू,सोमनाथपूर के

जो मंदिर में पत्थर की मूर्तियां हैं, वे सजीव लगति है। *ये सुंदर मूर्तियां हमें

रामायण,महाभारत पुराणो की कहानियां सिनाति है। *श्रवनबेलगोला में ५७ फुट ऊंची

गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है,जो दुनिया को त्याग और शांती का संदेश दे रहि है।

*विजयपूर के गोलगुंबज की ह्विसपरिंग गैलरी वास्तुकला का अद्भूत उदाहरण है।

*मैसूरु का राजमहल वैभव का प्रतिक है। *प्राचिन सेंट फिलोमिना चर्च,जगन्मोहन

राजमहल का प्रातत्व वस्तुसंग्रहालय अत्यंत आकर्षणिय है।

२) कन्नड भाषा तथा संस्कृती को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है? अथवा

*पूरे विश्व में कर्नाटक के साहित्यकारों ने कर्नाटक की किर्ती फैलाइ है।कैसे?

उत्तर:-*कर्नाटक के साहित्यकारों ने सरे विश्व में कर्नाटक की किर्ती फैलाई है।

*वचनकार बसवण्णा क्रांतीकारी समाजसुधारक थे। *अक्कमाहदेवी,अल्लमप्रभू,सर्वज्न

जैसे अनेक संतो ने अपने वचनों व्दारा प्रेम,दया और धर्म की सिख दी है।

*पुरम्दरदास,कनकदास आदि बक्त कवियों ने भ्क्ति,नीति,सदाचार के गीत गाये है।

*पंप,रन्न,पोन्न,कुमारव्यास,हरिहर,राघवांक आदि ने महान कव्यों की रचनाकर कन्नड

साहित्य को सम्रूध्द बनाया है। *आधुनिक काल में कुवेंपु से लेकर कंबार तक

आठ(८)ज्नान पीठ पुरस्कार पाकर कन्नड भाषा तथा संस्कृती को सम्रूध्द बनाया है।

३)कर्नाटक के प्राक्रूतिक सौंदर्य का वर्णन किजिए?

उत्तर:-प्रक्रूतीमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सजाकर सुंदर बनाया है।

*कर्नाटक की प्राक्रूतीक सुंदरता नयन मनोहर है। *कर्नाटक के पश्चिमी दिशा में विशाल

अरबी समुद्र है। *पश्चिम दिशा में ही दक्षिण से लेकर उत्तर तक फैली लंबी पर्वतमाला है

जिसे पश्चिंमी घाट कहते है। *इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्री कहलाता है।

*दक्षिण में नीलगिरि पर्वत है।

अनुरुपता

१)कश्मीरी सेब:कहानी::कर्नाटक संपदा:.....।

:-निबंध

२)दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला:पश्चिमी घाट::दक्षिण की पर्वतमाला:.....।

:-नीलगिरि

३)कर्नाटक:चंदनका आगार::बेंगलूरु:.....।

:-सिलिकान सिटी

४)सी वी रामन:नोबेल पुरस्कार::सर एम् विश्वेश्वरय्या:.....।

:-भारत रत्न

५)बेलुरु:शिल्पकला::गोलगुंबज:.....।

:-वास्तुकला

६)सेंट फिलोमिना:चर्च::जगन्मोहन राजमहल्:.....।

:-वास्तुसंग्रहालय

७)बसवण्णा:वचनकार::अक्कमाहादेवी:.....।

:-भक्त कवयित्री

८)पंपा:प्राचिन कवि::कंबार:.....।

:-आधुनिक कवि

९)कावेरी:नदी::जोग:.....।

:-जलप्रपात

१०)भद्रावती:लोहा और इस्पात::मैसूरु:.....।

:-कागज

विलोम रुप

१)सुंदर-कुरुप २)विदेश-देश/स्वदेश ३)आदी-अंत्य ४)सजीव-निर्जीव ५)सदाचार-दुराचार

६)आयत-निर्यात

अन्य वचन रुप

१)संधि-संधियां २)मूर्ती-मूर्तियां ३)उपलब्दी-उपलब्दियां ४)कृती-कृतियां ५)नीती-नीतियां

६)संस्कृती-संस्कृतियां ७)पध्दती-पध्दियां

विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए

शब्द विच्छेद संधिका नाम

१)दिग्गज -दिक्+अज -व्यंजन संधि

२)जगन्मोहन -जगत्+मोहन - ;;

३)सदाचार -सत्+आचार - ;;

४)अत्यंत -अति+अंत - वृद्दि संधि

५)पर्वतावली -पर्वत+आवली -सवर्ण दिर्घ संधि

६)संग्रहालय -संग्रह+आलय - ;;

७)जलाशय -जल+आशय - ;;

विग्रह करके समास का नाम लिखिए

समस्त पद विग्रह समास का नाम

१)देश-विदेश -देश और विदेश -व्दंव्द समास

२)जलप्रपात -जल का प्रपात -तत्पुरुष समास

३)राजवंश -राजा का वंश - ;;

४)राजमहल -राज के लिए महल - ;;

कन्नड में अनुवाद कीजिए

१)कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाति है और इसकी राजधानी बेंगलुरु है।

:-ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ,ಹಾಗೂ ಇದರ ರಾಜ್ಯಧಾನಿ ಬೆಂಗಲುರು ಆಗಿದೆ.

२)कर्नाटक में चंदन के पेड विपूल मात्रा में हैं।

:-ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಬಹಳಷ್ಟಿವೆ.

३)जगन्मोहन राजमहल का पुरातत्व वास्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणिय है।

:-ಜಗನಮೊಹನ ಅರಮನೆಯ ಪುರಾತತ್ವ ವಾಸ್ತುಸಂಗ್ರಹಾಲಯವು ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣಿಯವಾಗಿದೆ.

४)वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे।

:-ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

पाठ १६- बाल-शक्ति

शब्दार्थ

१)कंचे-ಗೊಲಿ २)निशाना-लक्ष्य-ಗುರಿ ३)बेईमानी-धोकेबाजी-ಅಪ್ರಾಮಾಣಿಕ,ಮೊಸ ४)कमीज-सलवार

-ಅಂಗಿ ५)फैसला-निर्णय-ನಿರ್ಣಯ ६)गृहकार्य-घरमे दियाजानेवाला कार्य-ಮನೆಕೆಲಸ

७)आदत-अभ्यास-ಹವ್ಯಾಸ ८)टोली-समूह,मंडली-ಗುಂಪು ९)गंदी-बूरी-ಕೆಟ್ಟ १०)नियमित-क्रमानुसार

-ಕ್ರಮವಾಗಿ ११)ढांपना-ढांकना,छिपाना-ಮುಚ್ಚುವುದು १२)कुडा-कचरा-ಹೊಲಸು

१३)कलेक्टर-जिल्लाधिकारि-ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿ,ಸಂಗ್ರಾಹಕ १४)विधायक-व्यवस्ता

करनेवाला-ಶಾಸಕ १५)सरपंच-गांव का मुखिया-ಊರಿನ ಮುಖ್ಯಸ್ಥ १६)बढाई-प्रशासन,तारिफ-ಪ್ರಶಂಸೆ

एक अंक के प्रश्न

१)कौन-कौन कंचे खेल रहे थे?

उत्तर:-रामू और श्यामू कंचे खेल रहे थे।

२)खेल में कौन सदा बेईमानी करता था?

उत्तर:-खेल में सदा रामू बेईमानी करता था।

३)रामू को स्कूल जाने को कौन कहता है?

उत्तर:-रामू को स्कूल जाने केलिए मोहन कहता है।

४)रामू ने किस विषय का गृह कार्य नहीं किया था?

उत्तर:-रामू ने गणित विषय का गृह कार्य नहीं किया था।

५)हमें किस उम्र में अच्छि आदते डालनि चाहिए?

उत्तर:-हमें बचपन में ही अच्छि आदते डालनि चाहिए।

६)रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारि किसने ली?

उत्तर:-रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारि संजय ने ली।

७)टोली का मुखिया कौन था? उत्तर:-टोली का मूखिया मोहन था।

८)बच्चों की तारिफ किसने की?

उत्तर:-बच्चों की तारिफ कलेक्टर साहब ने की।

९)टोली का नाम क्या था?

उत्तर:-टोली का नाम बाल-शक्ति था।

१०)कलेक्टर साहब ने बच्छों को कितने रुपएं दिए?

उत्तर:-कलेक्टर साहब ने बच्छों को पांच(५०००)हजार रुपएं दिए।

११)बाल-शक्ति के कारण गांव को क्या प्रदान किया गया है?

उत्तर:-बाल-शक्ति के कारण गांव को नया जीवन प्रदान किया गया है।

दो-तीन अंक के प्रश्न

१)कलेक्टर साहब ने बच्छों की बडाई(शबाशी) में क्या कहा?

उत्तर:-*इस गांव को साफ-सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है।

*गांव को एक नया जीवन प्रदान कियागया है। *इन बच्छों की जितनी

बडाई(बदाई) की जाए उतनी कम है। *इन सब ने मिलकर गांव को स्वच्छ

वातावरण दिया है। *बाल शक्ति के कारण आपका गांव आदर्श गांव बन गया है।

२) गांव को आदर्श गांव कैसे बनाया जा सकता है? अथवा

*गांव की सफाई के लिए बालक क्या-क्या काम करते है?

उत्तर:-*गांव में कई गड्डे है,उनको मिट्टि से ढांपना है। *गांव का कूडा डालने के

लिए एक निश्चित जगह बनायेंगे। *गांव के सबि भाईयों से कहेंगे की कूडा उसी

जगह में डाले। *गां के चारों ओर पैड-पौदे लगायेंगे। *अपने अपने घरों में भी

फलदार पेड लगायेंगे। *इससे गांव हरा-भरा और स्वच्छ रहेगा।

३)पांच हजार रुपएं मिलने पर मोहन ने क्या किया?

उत्तर:-उसने पैसे प्रधानध्यापक जी को दिया। *उन पैसों से स्कूल की पुस्तकालय मे

गरिब बच्छों के लिए पुस्तकों का प्रबंध करेंगे।

अनुरुपता

१)इंटरनेट क्रांती:निबंध::बाल-शक्ति:.....।

:-लघु नाटिका

२)अभिनव मनुष्य:दिनकर::बाल-शक्ति:.....।

:-जगराम आर्य

३)श्याम:ईमान::रामू:.....।

:-बेइमान

४)गिलहरियों के झुंड का नेता:गिल्लू::टोली का नायक:.....।

:-मोहन

जोडकर लिखिए

क **ख**

१)टोली का नाम अ)बाल-शक्ति

२)इनाम के रुपएं आ)पाच हाजार

३)टोली का मुखिया इ)मोहन

४)बेइमानी करनेवाला ई)रामू

५)अच्छी आदते बचपन में ही उ)डालनी चाहिए

विलोम रुप

१)अपना-पराया २)रात-दिन ३)आदी-अंत्य ४)आय-व्यय ५)उल्टा-सिदा ६)आयात-निर्यात

७)हानी-लाभ ८)तोड-जोड ९)थोडा-बहुत/कम १०)उतार-चडाव

कन्नड में अनुवाद करना

१)तू सदा खेल मेंबेइमानी करता है।

:-ನೀನು ಯಾವಾಗಲೂ ಆಟದಲ್ಲಿ ಮೊಸ ಮಾಡುತ್ತಿ.

२)आज से हम एक छोटि सी टोली आरंभ कर रहे है।

:-ಇವತ್ತಿನಿಂದ ನಾವು ಒಂದು ಚಿಕ್ಕದಾದ ಗುಂಪು ಆರಂಭಿಸುತ್ತಿದ್ದೆವೆ.

३)गांव को एक नया जीवन प्रदान किया गया है।

:-ಊರಿಗೆ ಒಂದು ಹೊಸ ಜೀವವನ್ನು ನೀಡಲಾಗಿದೆ.

४)बाल-शक्ति के कारण आपका गांव एक आदर्श गांव बन गया है।

:-ಬಾಲ-ಶಕ್ತಿಯಿಂದಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಊರು ಇಂದು ಆದರ್ಶ ಊರು ಆಗಿದೆ.

पाठ १७

कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

शब्दार्थ

१)लहर-तरंग-ಅಲೆಗಳು २)डरकर-घबराकर-ಹೆದರಿ,ಅಂಜಿ ३)नौका-नाव-ಹಡಗು ४)चींटी-ಇರುವೆ

५)दिवार-भित्ति-ಗೊಡೆ ६)फिसलना-गिरना-ಜಾರುವುದು ७)रगों-नस,नाडी-ನರಗಳು,ನಾಡಿಗಳು

८)साहस-धैर्य,हिम्मत-ಧೈರ್ಯ ९)अखरना-बुरालगना-ಕೆಟ್ಟದನಿಸು १०)मेहनत-श्रम,काम-ಪರಿಶ್ರಮ

११)बेकार-व्यर्थ-ವ್ಯರ್ಥ १२)डुबकियां-डुबना-ಜಿಗಿಯುವದು १३)सिंधु-समुद्र,सागर-ಸಮುದ್ರ

१४)गोताखोर-तैरनेवाला-ಇಸುವುದು १५)सहज-आसान-ಸರಳ १६)मोती-ಮುತ್ತು १७)गहरा-बहुत

नीचे-ಆಳದಲ್ಲು,ಬಹಳ ಕೆಳಗೆ १८)दुगना-ದ್ವಿಗುಣ १९)हैरानी-घबराहट-ಹೆದೆರಿಕೆ

२०)चुनौती-दावा,ललकार-ಸವಾಲು २१)चैन-आराम,सुख-ಆರಾಮ,ವಿಶ್ರಾಂತಿ

२२)संघर्ष-टकराव-ಸಂಘರ್ಷ २३)कोशिश-प्रयास-ಪ್ರಯತ್ನ

एक अंक के प्रश्न

१)किससे डरकर नौका पार नहीं होती?

उत्तर:-लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।

२)किनकी हार नहीं होती?

उत्तर:-कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती।

३)दाना लेकर कौन चडति है?

उत्तर:-दाना लेकर चींटि चडति है।

४)चींटी कहां चडति है?

उत्तर:- चींटी दिवार पर चडति है।

५)किसकी मेहनत बेकार नहीं होती?

उत्तर:-चींटी की मेहनत बेकार नहीं होती।

६)सागर में डुबकियां कौन लगाता है?

उत्तर:-सागर में डुबकियां गोताखोर लगाता है।

७)मोती कहां मिलते है?

उत्तर:-मोती सागर के घेहरे पानी में मिलते है।

८)किसकी मुट्टि खाली नहीं होती है?

उत्तर:-गोताखोर की मुट्टि खाली नहीं होती है।

९)कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती?

उत्तर:- कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती।

१०)कहां से भागना नहीं चाहिए?

उत्तर:-संघर्ष का मैदान छोडकर भागना नहीं चाहिए।

जोडकर लिखिए

क	ख.
१)लहर	अ)नौका
२)चूंटी	आ)दाना
३)गोताखोर	इ)डुबकियां
४)असफलता	ई)चुनौती
५)कमी	उ)सुधार

चार अंक का प्रश्न

पध्य पूर्ण कीजिए

* असफलता एक चुनौती है,इसे स्विकार करो,

क्या कमी रह गई,देखो और सुधार करो।

जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,

संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम।

कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,

कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

``````````````````````````````````````````````````.
``````````````````````````````````````````````````